वैशाख शुक्ल पक्ष- 15, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 295 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
01 मई 2026 शुक्रवार

आज का मौसम
40.2 अधिकतम
22.2 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

Page- 7

केरलम, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी... उलट-पलट के भी आसार!

दोपहर मेट्रो

आकलन
राजेश सिरोठिया

एग्जिट पोल के सर्वे से हटकर देखें तो भी अगर कोई बड़ा उलटफेर नहीं हुआ तो असम और पुडुचेरी में बीजेपी, तमिलनाडू में डीएमके और केरलम में कांग्रेस की अगुवाई में यूडीएफ की सरकार लगभग तय मानी जा रही है। लेकिन तमिलनाडु में दक्षिण भारत के लोकप्रिय अभिनेता थलपति विजय की टीवीके कोई नया गुल खिला सकती है। इस आकलन के पीछे अलग-अलग समीकरण हैं, जो नतीजों में उलट-पलट की वजह बनते दिख रहे हैं। बंगाल में कांग्रेस और सीपीएम के अलावा मुस्लिम नेता हुमायूं कबीर एवं ओवेसी की पार्टी ममता के आंचल से सत्ता को दूर छिटका रही हैं। उधर, असम में कांग्रेस का बिखराव हेमंत बिस्वा सरमा की दोबारा सत्ता में वापसी की राह प्रशस्त कर रहा है। दो दिग्गज कोंग्रेसियों भूपेन कुमार बोराह और प्रद्युत बोरदोलोई का बीजेपी में जाना, गौरव गोगोई की बेबसी और उनकी पत्नी पर पाक की आईएसआई से कनेक्शन के आरोप के साथ पवन खेड़ा जैसे राहुल भक्त के सेल्फगोल ने कांग्रेस की संभावनाओं को मुस्लिम, खासतौर पर बांग्लादेशी घुसपैठियों तक सीमित कर दिया है। केरलम में बीजेपी की मजबूती एलडीएफ को कमजोर करके कांग्रेस नीत यूडीएफ की संभावनाओं को उजला बना रही है। पहली बार केरलम में बीजेपी के बढ़ते असर को निस्तेज करने के लिए वहां की तीस फीसदी मुस्लिम आबादी का झुकाव एलडीएफ से यूडीएफ की ओर एकतरफा मुड़ता दिख रहा है।

तमिलनाडु में विजय की हीरोगिरी पर दारोमदार

पुदुचेरी में बीजेपी की दोबारा सत्ता में वापसी की राह में कोई बड़ी बाधा नहीं दिखती। तमिलनाडू में डीएमके की कांग्रेस से जुगलबंदी बीजेपी और एआईएडीएमके गठजोड़ से आगे भले दिखती है, लेकिन लोकप्रिय अभिनेता विजय की पार्टी ने कोई बड़ा गुल खिलाया तो सत्ता एआईएडीएमके के हाथ भी आ सकती है। यह तभी मुमकिन होगा जब विजय की नई नवेली पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) वोट कटवा और सीट बढ़वा साबित हो। टीवीके सभी 234 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ रही है। विजय दो महीने पहले ही ऐलान कर चुके हैं कि विधानसभा चुनाव में लड़ाई 'विजय बनाम स्टालिन' है। उनका बीजेपी और एआईडीएमके के प्रति नजरिया आक्रामकता से दूर नरमी वाला दिखा है। यानी डीएमके और एआईडीएमके के बीच सीटों की तादाद में कोई बड़ा अंतर नहीं रहा तो थलपति विजय की टीवीके किंग मेकर की भूमिका में नजर आ सकती है।

केरलम में यूडीएफ की संभावनाएं और आशंकाएं

केरलम की सियासत बड़ी उथल-पुथल का सबब बन गई है। यहां हमेशा से दो गठबंधनों के बीच सत्ता की उलट-पलट होती रही है। यानी लोग या तो कांग्रेस गठबंधन वाले यूडीएफ को वोट करते हैं या लेफ्ट गठबंधन एलडीएफ को। 2021 में एलडीएफ की लगातार दूसरी जीत को छोड़ दें तो 1982 से लेकर 2016 तक हर चुनाव में लेफ्ट गठबंधन और कांग्रेस गठबंधन के बीच सत्ता अदला-बदली होती रही है। केरलम में तीसरा मोर्चा यानी बीजेपी के नहीं आने की एक वजह तीस फीसदी मुस्लिम आबादी है। दरअसल, उत्तर भारत की तरह केरल में मुस्लिम आक्रांता के रूप में नहीं आए। यहां वे कारोबारी बनकर आए थे। इसलिए यहां उत्तर भारत की तरह हिंदू-मुस्लिम पॉलिटिक्स नहीं हो पाती। यहां ध्रुवीकरण मुश्किल रहा है लेकिन अब हालात बीते कुछ सालों में बदले हैं।

देश के अंतिम वामपंथी धड़े की सत्ता खतरे में

लेफ्ट के लिए इस बार जीत की हैट्रिक में मुश्किल- की तीन बड़ी वजह हैं। बीते दो लोकसभा चुनावों में यूडीएफ को क्रमशः 19 और 18 सीट मिली। इनमें एलडीएफ 19 और 44 विधानसभा सीटों पर सिएमटी। लोकल चुनावों में लेफ्ट वाले एलडीएफ को 30 से 35 प्रतिशत वोट ही मिल सके 2025 में हुए स्थानीय चुनावों में यूडीएफ ने क्लीन स्वीप कर लिया। कुल 941 ग्राम पंचायतों में से 505 यूडीएफ, 340 एलडीएफ और 26 एनडीए के खाते में आईं। यानी 54 फीसदी यूडीएफ को और 36 फ़ीसदी एलडीएफ को मिलीं। जबकि 2020 के चुनाव में आईडीएफ को 36 और एलडीएफ को 62 प्रतिशत सीटें मिली थीं। इसी तरह ब्लॉक लेवल पर 2020 में लेफ्ट ने 73 फीसदी सीट जीती थीं, लेकिन 2025 में वो घटकर 42 प्रतिशत पर आ गई। कांग्रेस वाला यूडीएफ 26 से 52 प्रतिशत सीट तक पहुंच गया। शहरी इलाकों में भी लेफ्ट नीचे खिसकी।

बीजेपी क्या तीसरी ताकत बनकर उभरेगी?

बदलते हालात में तीसरे मोर्चे के रूप में बीजेपी की बढ़ती सेंधमारी से उसका दस साल में वोट शेयर दोगुना हो गया। 2011 के विधानसभा में यह मात्र छह प्रतिशत था। यह लोकसभा में बीते तीन चुनावों से लगभग पांच फीसदी बढ़ रहा है। 2024 लोकसभा में यह 19.2 हो गया जबकि 2019 के लोकसभा में 15.56 प्रतिशत था। हालांकि 2016 की विधानसभा में मिले 10.5 से पिछले विधानसभा में उसके वोट 11.2 प्रतिशत के साथ बेहद मामूली बढ़त पा सके। इस बार उसकी असली परीक्षा यही है कि जो मोदी मैजिक लोकसभा के वोट में दिखता है वह क्या विधानसभा में दिखेगा? बीजेपी संग आरएसएस की मेहनत नया आकार ले पाएगी? ये सवाल इसलिए क्योंकि कांग्रेस और लेफ्ट दोनों का ही पारंपरिक वोट बैंक खिसक रहा है। कम्युनिस्ट के बड़े-बड़े नेता पार्टी छोड़कर बीजेपी और कांग्रेस में जा रहे हैं। एलडीएफ के कई नेताओं पर भ्रष्टाचार के छींटे पड़े हैं। बीजेपी की बढ़ती ताकत के खिलाफ मुस्लिम कांग्रेस की तरफ झुका है। जाहिर है, यह चुनाव लेफ्ट के लिए बहुत बड़ी चुनौती साबित होने वाला है। एलडीएफ की बढ़त का अपरोक्ष श्रेय बीजेपी को भी जाएगा।

INDIAN PREMIER LEAGUE
राजस्थान-दिल्ली, समय : शाम 7.30 बजे

न्यूज विंडो

पवन खेड़ा को कोर्ट से राहत मिली, अग्रिम जमानत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा को बड़ी राहत देते हुए अग्रिम जमानत दे दी है। यह निर्णय असम पुलिस की तरफ से दर्ज जालसाजी और मानहानि के केस में आया है। इस केस की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जांच में सहयोग करना जरूरी होगा, लेकिन फिलहाल इसमें अरेस्ट करने की जरूरत नहीं है। इसके साथ ही कोर्ट ने यह भी साफ किया कि पवन खेड़ा को जांच एजेंसियों के सामने पेश होना होगा और सभी जरूरी दस्तावेज व जानकारी उन्हें उपलब्ध करानी होगी।

भाजपा नेता हत्याकांड में 6 दोषियों को मौत की सजा

चेन्नई। भाजपा नेता वेंकटेश कुरुबारा की पिछले साल हुई हत्या मामले में न्यायालय ने छह दोषियों को मौत की सजा सुनाई है। पुलिस ने बताया कि जज सदानंद नागप्पा नायक ने रवि, विजय उर्फ मैलारी, धनराज, भीमा उर्फ भरत, सलीम और गंगाधर गवली को सजा सुनाई। कोप्पल के एसपी राम एल. अरसिद्धि ने बताया, इस मामले में पिछले साल 8 अक्टूबर को प्राथमिकी दर्ज की गई थी। दो महीने के भीतर ही 11 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी गई। कार सवार बदमाशों ने भाजपा युवा मोर्चा के गंगावती नगर इकाई प्रमुख कुरुबारा की बाइक को टक्कर मार दी। इसके बाद उन पर धारदार हथियारों और लोहे के रॉड से हमला किया गया और उनकी हत्या कर दी गई।

पंजाब सीएम पर शराब पीकर सदन में आने का आरोप, हंगामा

चंडीगढ़। मजदूर दिवस के उपलक्ष्य में पंजाब में आज मजदूरों को समर्पित विधानसभा का विशेष सत्र आयोजित किया गया। कांग्रेस विधायकों ने आरोप लगाया कि सीएम शराब पीकर सदन में आए हैं, जिसके बाद हंगामा शुरू हो गया। नेता प्रतिपक्ष प्रताप बाजवा ने कहा कि एक स्टेड हेड पर इस तरह के आरोप बेहद गंभीर हैं। एल्कोमीटर मंगवाकर सभी सदस्यों का टेस्ट करवाया जाना चाहिए।

आज का कार्टून

क्रूज डूबने से दर्दनाक हादसा... अब तक 9 शव मिले, इतने ही लापता

बरगी में लापरवाही की बलि

जारी है बचाव अभियान

» पर्यटन मंत्री बोले... नर्मदा में पेट्रोल-डीजल बोट पर रोक की जानकारी नहीं

» तेज आंधी की चेतावनी के बावजूद 45 यात्रियों के साथ 20 साल पुराने क्रूज को रवाना किया गया

जबलपुर, एजेंसी

बरगी डैम में गुरुवार दोपहर क्रूज डूबने से हुआ हादसा पूरी तरह लापरवाही का नतीजा बताया जा रहा है। इसमें मरने वालों का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। अब तक 9 लोगों के शव मिल चुके हैं जबकि इतने ही लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। 24 लोगों को सुरक्षित निकाल लेने का दावा किया गया है। पर्यटन विभाग का यह क्रूज अचानक आई तेज आंधी के चलते डूब गया था। बताया जा रहा है कि हादसे के वक्त क्रूज में लगभग 40 से 45 पर्यटक सवार थे। मौसम विभाग की तेज आंधी की चेतावनी और स्थानीय लोगों की समझाइश के बावजूद क्रूज का संचालन जारी रहने से यह दर्दनाक हादसा हुआ। ज्यादातर लोगों को लाइफ जवकेट भी नहीं दी गई थी। हादसा किनारे से करीब 300 मीटर दूर हुआ।

बरगी सिटी सीएसपी अंजुल मिश्रा ने बताया कि शुरुआती रेस्क्यू में एसडीआरएफ ने कई लोगों को बचाया, लेकिन अंधेरा और खराब मौसम से राहत कार्य प्रभावित हुआ। आज सुबह फिर से रेस्क्यू जारी है। वहीं प्रदेश के पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र लोधी जबलपुर पहुंचे हैं, लेकिन उनका हैरान करने वाला बयान सामने आया है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा- नर्मदा में पेट्रोल-डीजल बोट पर रोक है, उन्हें इसकी जानकारी नहीं है।

हादसे की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय प्रशासन के साथ अब राष्ट्रीय स्तर की टीमें भी तैनात की गई हैं। आर्मी भी मौके पर मौजूद है। हैदराबाद से एक स्पेशल टीम और हेलिकॉप्टर पहुंचा है। कोलकाता से पैरामिलिट्री की एक विशेष टीम भी जबलपुर पहुंच चुकी है। हाइड्रॉलिक मशीनों और पोकलेन की मदद से 20 फीट गहरे पानी में फंसे क्रूज को बाहर निकालने की कोशिश जारी है। क्रूज के पायलट महेश का कहना है कि सुरक्षा के इंतजाम तो थे, लेकिन अचानक आए तेज तूफान के चलते क्रूज अनियंत्रित हो गया। किसी को संभलने का मौका ही नहीं मिला। महेश को 10 साल का अनुभव है।

मातृत्व की मार्मिक प्रतीक बनी तस्वीर

अंतिम क्षण तक कलेजे के टुकड़े को बाहों में समेटे रही मां...

हादसे में मरिना मैसी और उनके चार साल के बेटे त्रिशान की भी मौत हो गई। बचाव दल को आज सुबह दोनों के शव मिले। मां ने अपनी ही लाइफ जैकेट के भीतर अपने कलेजे के टुकड़े को समेट लिया था। उसने बच्चे को अपने सीने से इतनी मजबूती से चिपकाया था कि काल का क्रूर झोंका भी उन्हें अलग नहीं कर सका। रेस्क्यू टीम ने जब उन्हें बाहर निकाला, तो दोनों के शव एक-दूसरे को बाहों में जकड़े हुए थे। यह परिवार दिल्ली से घूमने आया था। पिता प्रदीप मैसी और बेटी किसी तरह अपनी जान बचाने में कामयाब रहे।

डूबने लगे तब दिया लाइफ जैकेट : पाटन बायपास के पास रहने वाली तनिष्का सेन ने बताया कि सब लोगों को लाइफ सपोर्ट जैकेट तब दिए गए जब क्रूज हिचकोले खा रहा था और डूबने लगा। हादसे में तनिष्का की मम्मी ज्योति सेन की मौत हो गई।

गैस किल्लत-महंगाई का झटका
कॉमर्शियल सिलेंडर 993 रु. महंगा

नईदिल्ली/भोपाल, एजेंसी

दो महीने से किल्लत के बीच कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 993 रुपए महंगा हो गया है। भोपाल में अब 2081 की जगह 3074 रुपए, इंदौर में 3179 रुपए, जबलपुर में 3290 रुपए, ग्वालियर में 3296 रुपए और उज्जैन में 3241 रुपए का सिलेंडर मिलेगा। 2 महीने में सिलेंडर के रेट 1248 रुपए बढ़ चुके हैं। वहीं 5 किलोग्राम वाले एफटीएल सिलिंडर की कीमत में भी तत्काल प्रभाव से 261 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। ऐसे में यह सीधे आम लोगों पर असर करेगा। कॉमर्शियल सिलेंडर के रेट ऐसे समय बढ़े हैं, जब प्रदेश के होटल, रेस्टोरेंट-ढाबों को जरूरत की 50 प्रतिशत गैस ही दी जा रही है। दूसरी ओर, जुलाई तक प्रदेश में 20 हजार से ज्यादा शादियां भी होना है। जिससे आम लोगों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

ईरान के बचे नेता टारगेट पर, अमेरिकी सेना ने बताया प्लान
ट्रम्प की 'हां' हुई तो हाइपरसोनिक मिसाइलों का हमला

वाशिंगटन डीसी/तेहरान। , एजेंसी

अमेरिका पहली बार ईरान के खिलाफ हाइपरसोनिक मिसाइलों का इस्तेमाल कर सकता है। अमेरिका की सेंट्रल कमांड के कमांडर ने राष्ट्रपति ट्रम्प को ईरान के खिलाफ संभावित हमला करने के विकल्पों की जानकारी दी है। फॉक्स न्यूज के मुताबिक एडमिरल ब्रैड कूपर ने व्हाइट हाउस के सिचुएशन रूम में ट्रम्प के साथ बैठक में ये विकल्प पेश किए। इसमें बताया गया कि अगर ट्रम्प दोबारा हमले का फैसला लेते हैं, तो एक 'छोटा लेकिन बहुत ताकतवर हमला' किया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस हमले में ईरान की बची हुई सैन्य ताकत, उसके नेता और अहम ढांचे को निशाना बनाया जा सकता है।

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने सेना के लंबे समय से अटके हुए डार्क ईगन सिस्टम को इस क्षेत्र में भेजने का अनुरोध किया है। 'डार्क ईगल' नाम की हाइपरसोनिक मिसाइल करीब 2,000 मील (करीब 3,200 किलोमीटर) दूर तक निशाना साध सकती है और ईरान के बचे हुए बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्चरों को टारगेट कर सकती है। इसके अलावा, B-1क्ब्लांसर बॉम्बर विमानों की मौजूदगी भी इलाके में बढ़ाई जा रही है। ये विमान भारी मात्रा में हथियार ले जाने में सक्षम हैं और हाइपरसोनिक हथियार भी ले जा सकते हैं। इसका मकसद अमेरिकी सेना को ईरान के अंदरूनी हिस्सों में मौजूद बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्चरों पर हमला करने की क्षमता देना है। अगर इसे मंजूरी मिल जाती है तो यह पहली बार होगा जब अमेरिका किसी हाइपरसोनिक हथियार सिस्टम तैनात करेगा।

मेट्रो एंकर | 1.8 मीटर रिजॉल्यूशन तक तस्वीरें लेने में सक्षम, बेहतर होगी धरती की निगरानी

आया 'सुपर आई' सैटेलाइट, बादल-अंधेरा भी नहीं रोक पाएंगे नजर

बेंगलुरु की स्टार्टअप 'गैलेक्सी आई स्पेस' रविवार को भारत का पहला ऑप्टोसार सैटलाइट 'दृष्टि' लॉन्च करने जा रही है, जो स्पेसएक्स के फाल्कन 9 रॉकेट से अंतरिक्ष भेजा जाएगा।

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत अंतरिक्ष तकनीक में एक और बड़ी छलांग लगाने जा रहा है। बेंगलुरु की निजी स्पेस स्टार्टअप गैलेक्सी आई स्पेस 3 मई 2026 को अपना अत्याधुनिक सैटलाइट मिशन दृष्टि लॉन्च करेगी। यह सैटलाइट स्पेस एक्स के फाल्कन 9 रॉकेट के जरिए अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। यह सिर्फ एक और सैटलाइट नहीं, बल्कि भारत की निजी कंपनी द्वारा बनाया गया अब तक का सबसे बड़ा 190 किलोग्राम वजनी सैटलाइट है। इसकी खासियत यह है कि यह धरती की निगरानी ऐसे तरीके से करेगा जो पहले संभव नहीं था। अब तक ज्यादातर सैटलाइट या

तो ऑप्टिकल कैमरे से तस्वीर लेते थे या फिर रडार तकनीक से। ऑप्टिकल कैमरे मोबाइल कैमरे की तरह साफ तस्वीरें देते हैं, लेकिन बादलों या रात में काम नहीं कर पाते। वहीं रडार तकनीक अंधेरे और बादलों के पार देख सकती है, लेकिन उसकी तस्वीरें उतनी साफ नहीं होतीं। मिशन दृष्टि में पहली बार दोनों तकनीकों को एक साथ जोड़ा गया है। इसे ऑप्टोसार कहा जाता है। यानी यह सैटलाइट रंगीन, स्पष्ट और हर मौसम में उपयोगी तस्वीरें देगा। आम भाषा में समझें तो अगर किसी इलाके में भारी बारिश हो रही हो, घने बादल हों या पूरी रात हो तब भी यह सैटलाइट जमीन की गतिविधियों को देख सकेगा।

भारत के लिए अहम है मिशन

इतना ही नहीं, यह खेतों की हालत, जमीन में बदलाव, नई इमारतों का निर्माण या वाहनों की आवाजाही जैसी जानकारी भी पकड़ सकता है। यह सैटलाइट 1.8 मीटर रिजॉल्यूशन तक तस्वीरें लेने में सक्षम है। यानी जमीन पर छोटे-छोटे बदलाव भी इसकी नजर से नहीं बचेंगे। यह तकनीक सेना, आपदा प्रबंधन, कृषि और शहरी निगरानी के लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकती है। खासकर मानसून, बाढ़, सीमा सुरक्षा और रात के समय निगरानी जैसे क्षेत्रों में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

पिलरों के ऊपर बनाए जा रहे स्पोटिंग स्ट्रक्चर

रत्नागिरी से जेके रोड के बीच गर्डर लॉन्चिंग की टेस्टिंग शुरू, जल्द बनेगा फ्लाईओवर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में मेट्रो के दूसरे फेज यानी ब्लूलाइन भदभदा से रत्नागिरी तिराहा का काम अब एक बेहद महत्वपूर्ण चरण में पहुंच गया है। रत्नागिरी से जेके रोड के बीच मेट्रो के पिलर लगभग बनकर तैयार हैं और अब इन पर गर्डर रखने की तैयारी शुरू कर दी गई है। इसके लिए रत्नागिरी क्षेत्र में गर्डर लॉन्चिंग के लिए इन दिनों टेस्टिंग का काम तेजी से चल रहा है। दो पिलरों के ऊपर एक गर्डर रखा गया है। जानकारी के अनुसार मेट्रो प्रोजेक्ट की ब्लूलाइन के तहत रत्नागिरी और जेके रोड का पैच तकनीकी रूप से काफी सक्रिय हो गया है।

मौके पर क्रेन और लॉन्चिंग गर्डर मशीनों के माध्यम से टेस्टिंग की जा रही है। मेट्रो प्रबंधन के अधिकारियों का कहना है कि गर्डर रखने की टेस्टिंग प्रोसेस

चल रही है। गर्डर को सुरक्षित तरीके से रखने के लिए सपोर्टिंग स्ट्रक्चर भी बनाए जा रहे हैं। यह सपोर्टिंग स्ट्रक्चर ही वह आधार होंगे जो गर्डर का वजन झेलेंगे और ट्रैक को मजबूती प्रदान करेंगे। वर्तमान में चल रही टेस्टिंग प्रक्रिया के तहत यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि पिलर और उन पर बनने वाले स्टैंड भारी-भरकम कंक्रीट सेगमेंट का भार सहने के लिए पूरी तरह सक्षम हैं या नहीं। रत्नागिरी तिराहे के पास चल रहे इस काम के कारण मेट्रो का आकार हवा में भी दिखाई देने लगा है। अब तक सिर्फ जमीन पर पिलर दिखाई दे रहे थे, लेकिन जल्द ही इन पर गर्डर लान्चिंग शुरू होने से ट्रैक का फ्लाईओवर स्वरूप नजर आने लगेगा।

ट्रैफिक के बीच सुरक्षित निर्माण की चुनौती

रत्नागिरी एक व्यस्त इलाका है, इसे ध्यान में रखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। निर्माण स्थल के चारों ओर बैरिकेडिंग की गई है और टेस्टिंग के दौरान सुरक्षा गार्ड्स तैनात किए गए हैं। मेट्रो प्रबंधन का लक्ष्य है कि मानसून की सक्रियता से पहले इस पैच पर गर्डर लान्चिंग का काम सुचारू रूप से शुरू कर दिया जाए। जेके रोड से रत्नागिरी के बीच कई पिलरों पर ऊपरी हिस्से का काम भी लगभग पूरा हो चुका है।

गिनती करने आज से घर-घर पहुंचेंगे जनगणनाकर्मी

आप कौन सा अनाज खाते हैं, आपके घर का रहन-सहन कैसा है, इसकी रिपोर्ट बनेगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

15 साल बाद आज से प्रदेश में जनगणना कार्यक्रम के अंतर्गत मकानों की गणना का काम शुरू होने वाला है। तीस मई तक प्रदेश में कच्चे, पक्के सभी तरह के मकानों की गणना करने के साथ जनगणना प्रगणकों द्वारा उन मकानों में रहने वाले परिवारों की जानकारी ली जाएगी। मकान गणना में शॉपिंग मॉल्स, ऑफिसेस जैसे गैर आवासीय भवनों को भी गिनती में रखा जाएगा। लेकिन उन मकानों में मौजूद अन्य सुविधाओं की बारीकी से जानकारी नहीं ली जाएगी। इसके विपरीत आवासीय उपयोग में आने वाले हर घर में उपयोग संसाधनों, परिवार द्वारा खाए जाने वाले अनाज की भी जानकारी ली जाएगी।

मध्यप्रदेश के प्रभारी जनगणना निदेशक कार्तिकेया गोयल और अपर सचिव गृह मनीषा सेंतिया ने आज से शुरू होने वाली मकान गणना को लेकर कहा कि कोई भी व्यक्ति जानकारी देने से मना नहीं कर सकता है। अगर किसी व्यक्ति ने गलत जानकारी दी और प्रगणक को लगा कि वह गलत जानकारी दे रहा है तो ऐसे मामले में प्रगणक तुरंत डिजिटल रिपोर्टिंग करने के बजाय गलत जानकारी देने वाले को समझाईश देने का काम भी कर सकता है। गोयल ने साफ किया है कि जो भी जानकारी दी जाएगी वह सिर्फ देश की प्रगति और विकास के लिए बनाई जाने वाली योजनाओं में उपयोग होगी। इसका डेटा किसी को शेयर नहीं हो सकता है। इसलिए सबको खुलकर जानकारी देना चाहिए।

छग कैडर के आईएएस अधिकारी और एमपी के प्रभारी जनगणना निदेशक कार्तिकेया गोयल ने कहा कि प्रगणक द्वारा जो सवाल पूछे जाने हैं वह फिक्स हैं। इसके अलावा कोई सवाल वह नहीं पूछेंगे। इसमें एक सवाल यह है कि परिवार द्वारा उपयोग किया जाने वाला मुख्य अनाज क्या है? यह जानकारी इसलिए ली जा रही है ताकि यह पता चल सके कि देश में कितने लोग आने वाले दिनों में पीडीएस का अनाज लेने के दायरे में आ रहे हैं। उन्होंने यह भी साफ किया कि अगर किसी ने अच्छा अनाज खाने या घर में मौजूद किसी आधुनिक सुविधा संसाधन की जानकारी दी तो इस गणना कार्यवाही के बाद उसको पहले से सरकार की ओर से मिलने वाली कोई सेवा बंद नहीं होगी? इसलिए सबको सही जानकारी ही देना है।

मकानों की घर घर जाकर गणना शुरू करने के पहले गुरुवार शुक्रवार की आधी रात 12 बजे से सेल्फ एनुमरेशन (स्वगणना) के जरिये जानकारी देने संबंधी पोर्टल बंद हो गया है। इसको लेकर जनगणना निदेशालय के अफसरों ने कहा कि जो लोग स्वगणना में जानकारी दे चुके हैं उनके घर भी प्रगणक पहुंचे हैं और जिन्होंने जानकारी नहीं भरी है उनके यहां भी प्रगणक आकर जानकारी लेंगे। यह जानकारी सिर्फ 33 सवालों की होगी जो पहले से सार्वजनिक की जा चुकी है।

राज्य शासन ने केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय के आदेश पर राष्ट्रीय महत्व के इस काम के चलते फील्ड में तैनात कर्मचारियों, अधिकारियों के अवकाश पर एक माह के लिए रोक लगा दी है।

फिर बदला मौसम... बेमौसम हुई बारिश

भोपाल। प्रदेश में भीषण गर्मी के बीच ओले, बारिश और आंधी का दौर शुरू हो गया है। गुरुवार को तेज हवा और गरज-चमक के साथ बारिश हुई। तेज आंधी चलने से कोलार रोड समेत कई इलाकों में पेड़ भी उखड़ गए। देर रात तक प्रदेश में मौसम का मिजाज बदला रहा।

नरसिंह भगवान का संध्या काल में विशेष पूजन हुआ

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

जागृत व दर्शनीय तीर्थ स्थल दादाजी धाम मंदिर रायसेन रोड पटेल में भगवान नरसिंह का संध्या काल में विशेष पूजन श्रद्धा एवं वैदिक विधि-विधान के साथ सम्पन्न हुआ। यह पूजन उस दिव्य काल में किया गया, जब न दिन होता है न रात्रि जिसे शास्त्रों में पवित्र संधि-क्षण माना गया है। इस अवसर पर पुरुष सूक्त, नरसिंह स्तोत्र का पाठ, हवन एवं महाआरती सामूहिक रूप से संपन्न हुई। समस्त भक्तगणों ने भक्ति-भाव से सहभागिता करते हुए भगवान की आराधना की तथा अंत में प्रसाद वितरण किया गया। मान्यता है कि इन तिथियों में दिव्य अमृत का प्राकट्य हुआ। द्वादशी को भगवान विष्णु ने उसकी रक्षा की, त्रयोदशी को देवताओं को अमृत-पान कराया, चतुर्दशी को दैत्यों का संहार किया तथा पूर्णिमा को देवताओं को पुनः उनका साम्राज्य प्राप्त हुआ।

दादाजी धाम मंदिर के गर्भगृह परिक्रमा में विराजमान भगवान बुद्ध का जन्मोत्सव आज पूजन, हवन एवं आरती के साथ श्रद्धापूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम के पश्चात प्रसाद वितरण किया।

आज से रवींद्र भवन में भारत संस्कृति यात्रा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

आज से दो दिवसीय भारत संस्कृति यात्रा रवींद्र भवन में शुरू हो रही है। हिंदुस्थान आर्ट एंड म्यूजिक सोसाइटी के तत्वाधान में यह कार्यक्रम आयोजित है। 2 मई तक चलने वाले इस समारोह में ख्याति प्राप्त कलाकार जहां शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुतियां देंगे। वहीं दूसरी ओर युवा उत्सव के तहत नवोदित कलाकारों की पहचान के लिये गीत, नृत्य और गायन की प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। संस्था के सचिव पं प्रोसेनजीत पोद्दार ने बताया कि एक मई को इस कार्यक्रम का शुभारंभ शाम 6 बजे मप्र शासन के मंत्री उदय प्रताप सिंह, विश्वास सारंग, चैतन्य कश्यप, धर्मेन्द्र सिंह लोधी, कृष्णा गौर की मौजूदगी में होगा। इसके बाद देश के प्रसिद्ध बासुरी वादक पद्मश्री रोमू मजूमदार का बासुरी वादन होगा।

भगवान श्रीकृष्ण की रासलीला के प्रसंग से भावविभोर हुए श्रद्धालु

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

अयोध्या नगर स्थित महर्षि विद्या मंदिर परिसर में आयोजित भव्य श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिन सुप्रसिद्ध कथा व्यास आचार्य डॉ. निलिम्प त्रिपाठी जी ने अपनी ओजस्वी वाणी से भगवान श्रीकृष्ण की महारास लीला और रुक्मिणी विवाह के प्रसंगों का सजीव वर्णन किया। भक्ति और भाव से सराबोर

इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। महारास का आध्यात्मिक दर्शन समझाते हुए विद्वान् आचार्य डॉ. त्रिपाठी ने कहा कि महारास केवल नृत्य नहीं, अपितु जीवात्मा का परमात्मा से मिलन है। उन्होंने बताया कि जीवात्मा का परमात्मा से मिलान ही भगवान का रास है, जो पूर्णतः आध्यात्मिक और निर्मल प्रेम का प्रतीक है। रुक्मिणी जी ने प्रभु को हे अच्युत और हे भुवन सुन्दर कहकर भक्तिपूर्ण समर्पण किया था तब प्रभु आए। जो भी समर्पित भाव से भगवान को बुलाता है भगवान दौड़े चले आते हैं। रुक्मिणी जी का पत्र भगवान के प्रति अनन्य प्रेम और पूर्ण शरणागति का संदेश देता है। भगवान ने रुक्मिणी जी की पुकार सुनी और अधर्मियों को परास्त कर उनका वरण किया। स्त्री स्वतंत्रता और भारतीय नारियों का सम्मान यह आख्यान प्रकट करता है। कथा पंडाल में श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह की मनमोहक झांकी सजाई गई, जिसे देखकर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए। सुमधुर भजनों पर श्रद्धालु झूमने को मजबूर हो गए। द्वारिकाधीश की जय के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा। भागवत कथा जीवन जीने की कला सिखाती है। जब तक मनुष्य के हृदय में भक्ति का उदय नहीं होता, तब तक शांति संभव नहीं है। रुक्मिणी विवाह सांसारिक बंधन नहीं, अपितु आत्मा का परमात्मा के साथ योग है।

लघुकथा लेखन के साथ ही उसका प्रभावी प्रस्तुतीकरण भी बहुत जरूरी- गोकुल सोनी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

लघुकथा लेखन के साथ उसका प्रस्तुतीकरण भी प्रभावी ढंग से होना चाहिए। साथ ही समाज के हित में जो सिद्धांत प्रतिपादित किये गए हैं, लेखक उनका पुष्ट प्रेषण करें। जो लेखन मानवता के मान्य सिद्धांतों की जड़ों से जुड़ा होता है वह प्रभावी व कालजयी होता है। यह उदगार हैं वरिष्ठ साहित्यकार गोकुल सोनी के जो लघुकथा शोध केंद्र समिति द्वारा आयोजित लघुकथा पाठ एवं विमर्श के आयोजन की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. सुशीला टाकभोरे ने कहा कि लघुकथा शोध केंद्र द्वारा लघुकथा विधा के उन्नयन में महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा ह। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. क्षमा पाण्डेय ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन लघुकथा शोध केंद्र के सचिव घनश्याम मैथिल अमृत ने दिया। इस अवसर पर नीना सिंह सोलंकी ने 'स्नेह ' राजकुमार बरुआ ने 'खामोश आवाजें', अजीम असर ने चाँद में दाग, सतीश चंद्र श्रीवास्तव ने 'लड़ाई', सोफिया खान ने 'लोग क्या कहेंगे' मुजफ्फर इक़बाल सिद्दीकी ने 'कैदी', डॉ शबनम सुल्ताना ने 'बदलाब', मनीष बादल ने 'तितली' जया आर्य ने 'दस्तक', चरणजीत सिंह कुकरेजा ने 'पहल', डॉ. गिरजेश सक्सेना 'अभी न जाओ छोड़कर', मोहम्मद आजम ने 'ईर्ष्या' मधुलिका श्रीवास्तव ने 'दुखवा का से कहूं', सुनीता प्रकाश ने 'संतुलन', मृदुल त्यागी ने 'समस्या' घनश्याम मैथिल अमृत ने 'जल बिच मीन प्यासी', व्हीके श्रीवास्तव 'मेरा दोष क्या है' फारूखी साहब ने 'लिहाज', सरिता बाघेला ने 'मूर्ति के आंसू', कांता रॉय ने 'मन पर सीकर' अशोक धमेनियां ने 'सोच की तीव्रता' और डॉ. क्षमा पाण्डेय ने 'अनमोल मुस्कान' लघुकथा का वाचन किया। कार्यक्रम में संतोष भोदरे, डॉ. जावेद नौमानी, हरि मोहन द्विवेदी, चंद्रभान राही, तस्लीम राजा, प्रो. विमल सहित अनेक साहित्यकार उपस्थित थे। डॉ. गिरजेश सक्सेना ने आभार माना।

एडवांस तकनीक और सेवा की मिसाल

पांच माह की नन्ही महक की आंखों में लौट आई रोशनी

सेवा सदन आई हॉस्पिटल की बड़ी उपलब्धि, डॉ. रश्मि ने दिया उजाला

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

चिकित्सा जगत में आधुनिक तकनीक और संवेदनशीलता जब एक साथ मिलते हैं, तो किसी चमत्कार से कम परिणाम नहीं आते। ऐसा ही एक सुखद उदाहरण भोपाल के पास कुरावर कस्बे की पांच माह की मासूम बच्ची महक सेन के मामले में सामने आया है, जिसकी आंखों की खोई हुई रोशनी सेवा सदन आई हॉस्पिटल के डॉक्टरों के प्रयासों से वापस लौट आई है।

डॉ. आप्टे और टीम का प्रयास सफल : अस्पताल की सीनियर पीडियाट्रिक ऑप्थल्मोलॉजिस्ट डॉ. रश्मि आप्टे

ने सूक्ष्मता से जांच की और पाया कि महक की दोनों आंखों में गंभीर मोतियाबिंद है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एक सप्ताह के भीतर एडवांस तकनीक का उपयोग कर दोनों आंखों की सर्जरी की गई। ऑपरेशन के बाद महक अब पूरी तरह देख सकती है, जो उसके परिवार के लिए एक भावुक पल था।

अंधेरे की ओर बढ़ रही थी मासूम की जिंदगी

महक के माता-पिता, पूजा और अंकित सेन ने तब चिंता महसूस की जब महक मात्र दो महीने की थी और उसकी आंखों में हल्का धुंधलापन या सफेदी दिखाई दी। शुरुआत में इसे सामान्य समझने की भूल हुई, लेकिन लोगों की सलाह पर जांच कराई तो समस्या की गंभीरता का पता चला।

निजी अस्पतालों की बेरुखी व सेवा सदन की उम्मीद

परिवार ने भोपाल के तीन निजी अस्पतालों के चक्कर लगाए, जहां उन्हें न केवल 60,000 रुपए का भारी-भरकम खर्च बताया गया, बल्कि संवेदनशीलता की कमी भी महसूस हुई। एक डॉक्टर ने तो उपचार की आवश्यकता तक को नकार दिया। अंततः, किसी शुभचिंतक की सलाह पर परिवार सेवा सदन आई हॉस्पिटल पहुंचा, जहां उचित शुल्क और मानवीय व्यवहार के लिए विशेष पहचान है।

मेट्रो एंकर दुष्यंत संग्रहालय में आयोजित अंतर्नाद नाट्य समारोह का हुआ समापन

सपनों-संघर्ष की कहानी, 'द फाइनल ईयर' ने छोड़ी दर्शकों पर छाप

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

दुष्यंत संग्रहालय में आयोजित 'अंतर्नाद' नाट्य श्रृंखला का समापन गुरुवार को भावनाओं के उत्कर्ष के साथ हुआ। एंसैंबल थिएटर-इन-एजुकेशन सोसायटी द्वारा आयोजित इस उत्सव के अंतिम दिन नाटक 'द फाइनल ईयर' का मंचन किया गया, जिसने दर्शकों के मन में लंबे समय तक रहने वाली छाप छोड़ी। एनएसडी (टीआईई) से प्रशिक्षित निर्देशक उज्ज्वल सिन्हा के सधे निर्देशन में प्रस्तुत यह नाटक युवावस्था की जटिलताओं, रिश्तों की ऊष्मा और जीवन के अनकहे संघर्षों का सजीव दस्तावेज बनकर उभरा। मंचित नाटक केवल एक नाटक नहीं, बल्कि जीवन के उस पड़ाव का प्रतिबिंब है, जहां हंसी के पीछे छिपे दर्द, और सपनों के पीछे छिपी

बेचैनियां धीरे-धीरे आकार लेती हैं। 'अंतर्नाद' का यह समापन दर्शकों के मन में कई प्रश्न और भावनाएं छोड़ गया, जो रंगमंच की सार्थकता को पुनः स्थापित करता है। नाटक एक कमरे के सीमित दायरे में बुनी गई यह कहानी चार किरदारों के माध्यम से अनगिनत भावनात्मक परतों को उजागर करती है। यहाँ सपनों की उड़ान है, असफलताओं की कसक है, दोस्ती की गर्माहट है और कुछ ऐसे रहस्य भी हैं, जो समय के साथ सब कुछ बदल देने की क्षमता रखते हैं। नाटक ने हल्के-फुल्के हास्य के साथ जीवन के गंभीर पहलुओं विशेषकर दिल टूटने और भावनात्मक टूटन को बड़ी सहजता से प्रस्तुत किया। यही सहजता दर्शकों को भीतर तक छूती है और उन्हें अपने जीवन के अनुभवों से जोड़ देती है। नाट्य प्रस्तुति की तकनीकी बारीकियों ने भी इसकी प्रभावशीलता को बढ़ाया। प्रकाश परिकल्पना मॉरिस लाज़रस द्वारा की गई, जबकि प्रकाश संचालन अंकुर सूर्यवंशी ने संभाला। देहगति में वसीम खान का योगदान उल्लेखनीय रहा, जिसने कलाकारों की मंचीय उपस्थिति को और अधिक सशक्त बनाया। नाटक के लेखक इम्तियाज़ अहमद की लेखनी ने कहानी को संवेदनशीलता और यथार्थ के धरातल पर मजबूती से स्थापित किया। मंच पर कलाकारों की ऊर्जा और अभिव्यक्ति ने नाटक को जीवंत बना दिया। अंकुर तिवारी, आयु राजवैद्य, दिव्यांश अवस्थी, यशराज विश्वकर्मा, यश पिपरादे, खुशबू अग्रवाल, ऐश्वर्या सिन्हा, दक्ष लालवानी और आदित्य गुप्ता ने अपने अभिनय से पात्रों को सशक्त रूप में प्रस्तुत किया। संवादों की स्वाभाविकता और भाव-भंगिमाओं की गहराई ने प्रस्तुति को प्रभावशाली बना दिया।

ज्वाला कान्वेंट स्कूल में समर कैंप आज से

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

ज्वाला कान्वेंट स्कूल में बच्चों के लिए 45 दिवसीय समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है, जो एक मई से शुरू होगा। कैंप में विशेषज्ञ प्रशिक्षण देंगे। स्कूल के प्राचार्य राज बतरा ने बताया कि कैंप में किसी भी स्कूल के बच्चे भाग ले सकते हैं। बच्चों को इंग्लिश स्पोकन सुंदर राइटिंग बनाना मेहंदी कोर्स कंप्यूटर हिंदी इंग्लिश टाइपिंग विभिन्न प्रकार के डांस, कैलीग्राफी, राइटिंग ड्राइंग आर्ट एंड क्राफ्ट, ब्यूटीशियन कोर्स, म्यूजिक मेंटल मैथ्स, इंडोर गेम्सन का प्रशिक्षण दिया जाएगा प्रशिक्षण देने के बाद अंत में सिखाई गई सभी चीजों की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी जिसमें अव्वल रहने वाले बच्चों को समर कैंप समापन पर पुरस्कृत किया जाएगा।

रीवा से सर्वाधिक 24 हजार यात्रियों ने लिया हवाई सेवाओं का लाभ

मुख्यमंत्री बोले-विमानन क्षेत्र में मध्यप्रदेश को बनाएं रोल मॉडल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विमानन क्षेत्र में मध्यप्रदेश को देश का रोल मॉडल बनाने के प्रयास किए जाएं। प्रदेश के दूरस्थ इलाकों के साथ ही पड़ौसी राज्यों के यात्रियों को भी विमानन सेवाएं लाभान्वित करती हैं। मध्यप्रदेश के पर्यटन क्षेत्र का महत्व बढ़ाने की दृष्टि से भी ये सेवाएं महत्वपूर्ण हैं।

मुख्यमंत्री मंत्रालय में हुई बैठक में विमानन विभाग के कार्यों की जानकारी प्राप्त कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विमानन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में विकसित होने वाले मेट्रोपोलिटन क्षेत्रों और विभिन्न औद्योगिक संस्थानों के परिसर में हैलीपेड निर्माण को प्राथमिकता दी जाए। हैली सेवाओं के विस्तार के लिए हैलीपेड निर्माण में निजी क्षेत्र का सहयोग प्राप्त किया जाए।

मुख्यमंत्री ने उज्जैन एयरपोर्ट के विकास के लिए संचालित कार्यों को समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि उज्जैन एयरपोर्ट में एयरफील्ड का कुल क्षेत्रफल 95 एकड़ है। राज्य सरकार के निर्णय के अनुसार उज्जैन एयरपोर्ट 2700 मीटर लंबाई के रनवे के साथ कुल 4 हजार 100 मीटर लंबाई में विकसित होगा। इसके लिए अधिग्रहित की जाने वाली भूमि के लिए 590 करोड़ रुपए की मुआवजा राशि स्वीकृत की जा चुकी है। सिंहस्थ:2028 के दृष्टिगत श्रद्धालुओं के आवागमन के लिए एयरपोर्ट उपयोगी होगा। उन्होंने निर्देशित किया कि एयरपोर्ट के विकास के सभी कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण किया जाए। बैठक में पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा के संचालन के संबंध में भी चर्चा हुई।

रोजगारपरक एविएशन पाठ्यक्रम का लाभ युवाओं को दिलवाएं

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में विमानन सेवाओं के विस्तार के साथ दक्ष पायलट और अन्य प्रशिक्षित अमले की आवश्यकता होगी। नई शिक्षा नीति में एविएशन पाठ्यक्रम को रोजगारपरक शिक्षा की श्रेणी में शामिल किया गया है। उन्होंने प्रदेश के उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा एविएशन कोर्स का लाभ युवाओं को दिलवाने के लिये प्रयास करने के निर्देश दिये।

सफल है प्रदेश की विमानन नीति

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश नागरिक विमानन नीति-2025 गत फरवरी 2025 में जारी की गई थी। नीति में विमानन क्षेत्र की समग्र वैल्यू चैन के लिए कई तरह के प्रोत्साहन का प्रावधान किया गया है। मध्यप्रदेश से बनारस और पटना जैसे बड़े नगरों के लिए विमान सेवा प्रारंभ करने का प्रयास किया जाए ताकि धार्मिक पर्यटन को प्रोत्साहन मिले। प्रदेश की विमानन नीति की सफलता में नए आयाम जोड़ें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विमानन नीति की सफलता के लिए विभाग के अधिकारियों को बधाई दी।बैठक में बताया गया कि प्रदेश के एयरपोर्ट से नए गंतव्यों को हवाई मार्ग से जोड़ने के लिए वित्तीय सहायता भी शिड्यूल्ड ऑपरेटर्स को दी जा रही है।

भाजपा विधायक के खिलाफ शिकायत महिला कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। आलोट विधानसभा सीट से भाजपा विधायक डॉ. चिंतामणि मालवीय पर एक महिला द्वारा शोषण, उत्पीड़न और भ्रष्टाचार से जुड़े गंभीर आरोप लगाए गए हैं। मामले को लेकर मध्यप्रदेश महिला कांग्रेस ने सीधे राज्यपाल मंगुभाई पटेल से हस्तक्षेप की मांग की है। महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रीना बोरासी सेतिया के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने भोपाल में राज्यपाल से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा।

प्रतिनिधिमंडल का कहना है कि पीड़ित महिला ने अपने आरोपों से जुड़े दस्तावेज और साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं, जिसके आधार पर निष्पक्ष जांच और सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक अन्य वृद्ध महिला के घर पर भी विधायक ने कब्जा किया है। महिला कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया कि संबंधित विधायक के खिलाफ पहले से गंभीर प्रकृति के मामले दर्ज हैं। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई करने और उनकी विधायकी समाप्त करने की मांग की।

आरोप निराधार, मानहानि का केस करेंगे

भाजपा विधायक डॉ. चिंतामणि मालवीय ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे एक सुनियोजित साजिश बताया है। उनका कहना है कि आरोप पूरी तरह तथ्यहीन, असत्य और आधारहीन हैं। विधायक ने स्पष्ट किया कि वे किसी भी ऐसी 70 वर्षीय महिला को नहीं जानते, जिनकी जमीन हड़पने का आरोप लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक आरोप लगाने के बजाय संबंधित पक्ष को ठोस प्रमाण और तथ्य सामने रखने चाहिए। मालवीय ने रीना बोरासी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि वे इस मामले में आपराधिक और मानहानि का मुकदमा दर्ज कराएंगे।

श्रमिकों को सौगात...

संबल योजना के 27 हजार परिवारों को मिले 600 करोड़

भोपाल। श्रमिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने चार नई श्रम संहिताओं का प्रविधान किया है। प्रदेश में भी इन संहिताओं के अनुरूप नियम तैयार करके लागू किए जाएंगे। संबल योजना में उपभोक्ता सामग्री पहुंचाने वाले गिग वर्कर्स और प्लेटफार्म वर्कर्स को भी शामिल कर 3529 वर्कर्स को लाभ दिया गया है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय में संबल योजना में पंजीकृत 27 हजार से अधिक असंगठित क्षेत्र के श्रमिक परिवारों को 600 करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि अंतरित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि श्रमिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को सुनिश्चित करने वाले प्रतिष्ठानों को श्रम स्टार रेटिंग देने की व्यवस्था लागू की गई है। प्रदेश में 554 कारखानों ने स्वेच्छा से श्रम स्टार रेटिंग की व्यवस्था को अपनाया है। इससे औद्योगिक संस्थानों की विश्वसनीयता में वृद्धि होगी। श्रमिक संगठनों, विभाग के ही नागरिकों का भी यह दायित्व है कि जिस प्रतिष्ठान से खरीदारी करते हैं, वहां श्रम स्टार रेटिंग की व्यवस्था लागू करने को प्रोत्साहित करें। ऐसे संस्थानों से उत्पाद क्रय करने और सेवाएं लेने को प्राथमिकता भी दी जाए जो श्रमिकों के अधिकार और कल्याण के लिए तत्पर रहते हैं।

'उदंत मार्तंड' के 200 साल पूरे

8 मई से होगा मीडिया जगत के दिग्गजों का जमावड़ा

भोपाल। हिंदी के पहले समाचारपत्र उदंत मार्तंड के 200 साल पूरे हो गए हैं। इस समाचारपत्र के साथ हिंदी पत्रकारिता के द्विशताब्दी वर्ष पर राजधानी में मीडिया महाकुंभ होने जा रहा है। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय और वीर भारत न्यास ने भारत भवन में 'प्रणाम ! उदंत मार्तण्ड ' शीर्षक से तीन दिवसीय राष्ट्रीय विमर्श का आयोजन किया है। आठ मई को सुबह 10.30 बजे मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव इसका उद्घाटन करेंगे।इस पहले सत्र का विषय प्रवर्तन वरिष्ठ पत्रकार एवं पूर्व सूचना आयुक्त उदय माहूरकर करेंगे। इस सत्र की अध्यक्षता आचार्य मिथिलेशनंदिनी शरण करने वाले हैं। इसके विभिन्न सत्रों को राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, संपादक विष्णु प्रकाश त्रिपाठी, अधिवक्ता एवं लेखक जे.साई दीपक संबोधित करेंगे।

कम करना ही होगा तनाव

ईरान - अमेरिका युद्ध होर्मुज स्ट्रेट और ओमान की खाड़ी में इच्छाशक्ति की लड़ाई में तब्दील हो गया है। इस लड़ाई में नौसैनिक नाकाबंदियों का दंगल और ठप कूटनीति हावी है। अमेरिका का कहना है कि जब तक कोई समझौता नहीं हो जाता, तब तक ईरानी बंदरगाहों की उसकी नाकाबंदी जारी रहेगी। पिछले हफ्ते ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने 11 अप्रैल को सीधी बातचीत के पहले दौर की मध्यस्थता करने वाले पाकिस्तान की यात्रा की, लेकिन ईरान ने वाशिंगटन के साथ आगे की सीधी बातचीत से इनकार कर दिया। व्हाइट हाउस ने पहले कहा था कि वह विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर को इस्लामाबाद भेजेगा, लेकिन अराघची के पाकिस्तान की राजधानी छोड़ने के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उनकी यात्रा रद्द कर दी। ट्रम्प ने बार-बार कहा है कि ईरान एक समझौता चाहता है। फिर भी, तेहरान लेबनान पर इजराइल के हमलों और ओमान की खाड़ी में अमेरिका की नाकाबंदी का हवाला देते हुए अमेरिका के साथ बातचीत करने से इनकार करता रहता है। कागजों पर तो लेबनान में युद्धविराम लागू है और ट्रम्प ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि इजराइल को उस देश पर हमला करने से ÷मना÷ किया गया है, लेकिन इजराइल के हवाई हमले जारी हैं। ट्रम्प ने नाकाबंदी हटाने में कोई जल्दबाजी नहीं दिखाई है। उनका मानना है कि निरंतर आर्थिक दबाव ईरान को अपना रुख बदलने पर मजबूर कर देगा। बस एकमात्र अच्छी बात यह है कि 8 अप्रैल को घोषित ईरान युद्धविराम अभी भी कायम है। अपनी तमाम धमकियों के बावजूद, ट्रम्प ने फारस की खाड़ी में ईरान द्वारा जहाजों को जब्त करने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की है। उधर अमेरिका द्वारा ईरान के एक टैंकर को कब्जे में लिए जाने के विरोध में जवाबी कार्रवाई की चेतावनी देने के बावजूद, तेहरान ने भी कोई कार्रवाई नहीं की है। दोनों पक्ष पाकिस्तान के जरिए राजनयिक रूप से संपर्क में रहे हैं। कूटनीति का विकल्प तबाही ही होता है। अमेरिका और इजराइल ने 40 दिनों तक ईरान पर बमबारी की, लेकिन वे कोई मनचाहा रणनीतिक नतीजा हासिल करने में नाकाम रहे। और अब इस अवैध युद्ध के वैश्विक आर्थिक दुष्परिणाम महसूस किए जा रहे हैं। कूटनीति की कामयाबी के वास्ते, ट्रम्प और ईरान के नेतृत्व को चरणबद्ध नजरिया अपनाना चाहिए। यह दिखलाने के बजाय कि इस जंग ने इस क्षेत्र की रणनीतिक हकीकतों को नहीं बदला है, अमेरिका को प्रमुख मुद्दों पर समझौतों के बदले में ईरान को ठोस रियायतें देनी चाहिए। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण स्थापित करके कुछ हद तक प्रतिरोध क्षमता का प्रदर्शन किया है। लेकिन अगर यह वाणिज्यिक यातायात को बाधित करना जारी रखता है और इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था को और नुकसान पहुंचता है, तो वह कमजोर पक्ष के रूप में हासिल सद्भावना को खो देने का जोखिम मोल लेगा। पहला व्यावहारिक कदम पारस्परिक तनाव को कम करना होगा। अमेरिका को अपनी नाकाबंदी हटानी होगी और ईरान को वाणिज्यिक जहाजों के लिए जलडमरूमध्य को फिर से खोलना होगा। इससे नाजुक युद्धविराम को भी मजबूती मिलेगी और विश्वास बढ़ेगा। यही नहीं, परमाणु कार्यक्रम सहित तमाम बकाया मुद्दों पर सीधी बातचीत के अगले दौर का रास्ता भी खुलेगा।

बुद्ध पूर्णिमा पर विशेष

गौतम बुद्ध के नैतिकता उपदेश और आज की दुनिया में उनकी प्रासंगिकता

सुनील कुमार महला
स्तंभकार

हर वर्ष वैशाख मास की पूर्णिमा तिथि पर बुद्ध पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु के नौवें अवतार महात्मा बुद्ध का जन्म हुआ था। इस वर्ष बुद्ध पूर्णिमा 1 मई 2026, शुक्रवार को मनाई जाएगी। यह 1 मई 2026 की रात 10 बजकर 52 मिनट तक प्रभावी रहेगी। उदया तिथि के अनुसार यह पर्व 1 मई को मनाया जाएगा। यह दिन भगवान बुद्ध के जन्म, ज्ञान प्राप्ति (बोधि) और महापरिनिर्वाण-तीनों की स्मृति को समर्पित है। इस अवसर पर देश-विदेश में श्रद्धालु ध्यान, प्रार्थना, दान और अहिंसा के संदेश का पालन करते हैं। विशेषकर बोधगया, सारनाथ और कुशीनगर जैसे पवित्र स्थलों पर बड़े आयोजन होते हैं। बुद्ध पूर्णिमा का पर्व हमें करुणा, शांति और मध्यम मार्ग के सिद्धांतों को अपनाने की प्रेरणा देता है, जिससे मानव जीवन में नैतिकता और सद्भाव का विकास होता है।पाठकों को बताता चलूं कि वैशाख पूर्णिमा को 'बुद्ध पूर्णिमा', 'पीपल पूर्णिमा' और 'बुद्ध जयंती' के नाम से भी जाना जाता है। ऊपर इस आलेख में चर्चा कर चुका हूं कि यह दिन भगवान विष्णु को भी समर्पित माना जाता है, क्योंकि पुराणों के अनुसार महात्मा बुद्ध को भगवान विष्णु का नौवां अवतार माना गया है। स्कन्द पुराण में वैशाख मास को समस्त मासों में श्रेष्ठ बताया गया है, इसलिए यह मास विष्णु भगवान को अत्यंत प्रिय है। इस दिन भगवान विष्णु के सत्यनारायण स्वरूप की पूजा की जाती है। पद्म पुराण और मत्स्य पुराण में वैशाख मास में स्नान और दान को श्रेष्ठ बताया गया है- वैशाखे मासि स्नानं च, दानं च विशेषतः। इस मास में पवित्र तीर्थों पर स्नान, दान-पुण्य और व्रत से मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। शास्त्रों के अनुसार वैशाख शुक्ल त्रयोदशी से लेकर पूर्णिमा तक की तिथियों को 'पुष्करणी तिथियाँ' कहा जाता है। मान्यता है कि एकादशी को अमृत प्रकट हुआ, द्वादशी को भगवान विष्णु ने उसकी रक्षा की, त्रयोदशी को देवताओं ने अमृत का पान किया, चतुर्दशी को दैत्यों का संहार हुआ और पूर्णिमा को देवताओं को उनका राज्य पुनः प्राप्त हुआ। इस दिन यमराज (धर्मराज) की कृपा प्राप्त करने के लिए व्रत रखने और दान करने का विशेष विधान है। शक्कर, तिल, पंखे, जूते-चप्पल, घड़ा, दूध-खीर, अन्न-वस्त्र आदि का दान अत्यंत पुण्यकारी माना जाता है। पूर्णिमा के दिन चंद्रदेव को अर्घ्य देना शुभ फलदायी होता है। साथ ही मां लक्ष्मी की पूजा से घर में सुख, समृद्धि और सौभाग्य बढ़ता है। उन्हें बताशा, खीर, मिठाई, नारियल और कमल का फूल अर्पित किया जाता है। इस दिन भगवान राम और हनुमान जी की पूजा भी की जाती है तथा हनुमान जी को सिंदूर चढ़ाया जाता है। पितरों के निमित्त पिंडदान करने से उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है और परिवार में शांति एवं समृद्धि आती है। हाल फिलहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि भगवान गौतम बुद्ध को 'एशिया का प्रकाश' कहा जाता है। उनका जन्म 563 ईसा पूर्व नेपाल के कपिलवस्तु स्थित लुम्बिनी वन में वैशाख पूर्णिमा के दिन हुआ था। उनके पिता शुद्धोधन शाक्यवंश के राजा थे और माता महामाया थीं। उनका बचपन का नाम सिद्धार्थ था और उनका पालन-पोषण राजकुमार के रूप में हुआ। बाद में उन्होंने सांसारिक जीवन त्यागकर सत्य की खोज की।

आज के संदर्भ में देखा जाए तो उनका जन्म नेपाल में हुआ, लेकिन उनकी कर्मभूमि भारत रही। यहीं उन्हें बोधि प्राप्त हुई और यहीं से उन्होंने संपूर्ण विश्व को ज्ञान का संदेश दिया। आज जापान, उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया, चीन, वियतनाम, ताइवान, तिब्बत, भूटान, कंबोडिया, हांगकांग, मंगोलिया, थाईलैंड, मकाऊ, म्यांमार, श्रीलंका जैसे अनेक देश बौद्ध संस्कृति से प्रभावित हैं। पाठक जानते हैं कि महात्मा बुद्ध ने जीवन में अहिंसा, करुणा, शांति, मैत्री और बंधुत्व का संदेश दिया। उनके अनुसार मनुष्य जैसा सोचता है, वैसा ही बन जाता है। शुद्ध विचारों से किया गया कर्म सुख देता है और अशुद्ध विचार दुख का कारण बनते हैं। उन्होंने कहा कि तीन चीजें कभी छुपाई नहीं जा सकतीं- सूर्य, चंद्रमा और सत्य। उनका यह भी संदेश था कि एक दीपक हजारों दीपक जला सकता है, फिर भी उसकी रोशनी कम नहीं होती, इसी प्रकार सद्गुण बांटने से कम नहीं होते। बुद्ध के अनुसार व्यक्ति को वर्तमान में जीना चाहिए, क्योंकि भूतकाल और भविष्य में खोकर दुख ही मिलता है। उन्होंने कहा कि बुराई से बुराई को नहीं जीता जा सकता, प्रेम से ही संसार जीता जा सकता है। जो व्यक्ति स्वयं पर विजय प्राप्त कर लेता है, वही वास्तविक विजेता है। क्रोध मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है और क्रोध से स्वयं को ही नुकसान होता है। उनका यह भी कहना था कि केवल ज्ञान पढ़ना या सुनना पर्याप्त नहीं है, जब तक उसे जीवन में न अपनाया जाए उसका कोई लाभ नहीं। बुद्ध ने यह स्पष्ट किया कि उनके उपदेशों को बिना जांचे स्वीकार न किया जाए। उन्होंने कहा कि मनुष्य अपनी बुद्धि और अनुभव से सत्य को परखे। उनका धर्म तर्कसंगत, वैज्ञानिक सोच पर आधारित और अंधविश्वास विरोधी था। वे मानते थे कि संसार में अंतिम और अपरिवर्तनीय कुछ भी नहीं है, केवल परिवर्तन ही सत्य है। बहरहाल, आज विश्व में कई क्षेत्रों में युद्ध और तनाव की स्थिति बनी हुई है। रूस-यूक्रेन युद्ध, इज़राइल-हमास संघर्ष, चीन-ताइवान तनाव, भारत-चीन सीमा विवाद, उत्तर कोरिया-दक्षिण कोरिया तनाव और ईरान-इज़राइल तनाव वैश्विक शांति के लिए गंभीर चुनौती हैं। ऐसे समय में बुद्ध के विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं, क्योंकि उन्होंने युद्ध का पूर्ण विरोध किया और कहा कि हर युद्ध में केवल विनाश और पीड़ा होती है। उन्होंने 'आष्टांगिक मार्ग' बताया-सम्यक दृष्टि, सम्यक संकल्प, सम्यक वाक्, सम्यक कर्म, सम्यक आजीविका, सम्यक व्यायाम, सम्यक स्मृति और सम्यक समाधि। यही मार्ग मनुष्य को राग, द्वेष, मोह, लोभ, घृणा और भय से मुक्त करता है। इन्हीं विकारों से हिंसा, शोषण, अन्याय, आतंकवाद और युद्ध उत्पन्न होते हैं। आज की दुनिया में तनाव, अवसाद, आर्थिक असमानता और नैतिक गिरावट बढ़ रही है, ऐसे में बुद्ध का मार्ग समाधान प्रस्तुत करता है। इतना ही नहीं, उन्होंने पंचशील सिद्धांत भी दिए।मसलन -चोरी न करना, व्यभिचार न करना, झूठ न बोलना, नशा न करना आदि।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

जलवायु परिवर्तन का निर्णायक दौर... उबलती धरती, डगमगाती थाली

डॉ. सत्यवान सौरभ
स्तंभकार

जलवायु परिवर्तन के इस निर्णायक दौर में चरम गर्मी अब केवल मौसमी विचलन नहीं रह गई है; यह एक गहरे संरचनात्मक संकट के रूप में उभर रही है, जो वैश्विक खाद्य प्रणालियों की बुनियाद को हिला रही है। बढ़ते तापमान और तीव्र होती हीटवेव्स ने कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य आपूर्ति शृंखलाओं को एक ऐसे दबाव में ला खड़ा किया है, जहां हर कड़ी कमजोर पड़ती दिख रही है। वैज्ञानिक और नीति-निर्माता अब इसे एक ÷रिस्क मल्टीप्लायर÷ के रूप में पहचान रहे हैं- ऐसा कारक जो न केवल स्वयं नुकसान पहुंचाता है बल्कि अन्य जोखिमों को भी कई गुना बढ़ा देता है। यदि अब निर्णायक कदम नहीं उठाए गए तो चरम गर्मी आने वाले दशकों में वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा व्यवस्थित खतरा बन जाएगी।

चरम तापमान का सबसे प्रत्यक्ष और स्पष्ट प्रभाव फसलों पर पड़ता है। यह स्थापित तथ्य है कि 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर का तापमान गेहूं, चावल और मक्का जैसी प्रमुख फसलों के लिए प्रतिकूल होता है। अधिक तापमान पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को बाधित करता है, परागण को प्रभावित करता है और दानों के विकास को अधूरा छोड़ देता है। परिणामस्वरूप उत्पादन में गिरावट आती है, जो कई मामलों में 10 से 50 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। यह केवल मात्रा की समस्या नहीं है- गर्मी के कारण अनाज का पोषण स्तर भी घटता है, जिससे खाद्य गुणवत्ता प्रभावित होती है। इस प्रकार, यह संकट उत्पादन और पोषण दोनों को एक साथ चोट पहुंचाता है। पशुपालन क्षेत्र भी इस तापीय दबाव से अछूता नहीं है। उच्च तापमान के कारण पशुओं में हीट स्ट्रेस बढ़ता है, जिससे उनकी उत्पादकता पर सीधा असर पड़ता है। डेयरी पशुओं में दूध उत्पादन में कमी, मुर्गियों में अंडा उत्पादन का घट जाना और सूअरों में वृद्धि दर का धीमा होना इसके प्रमुख उदाहरण हैं। चरम परिस्थितियों में पशुओं की मृत्यु तक हो सकती है, जिससे किसानों की आय पर गंभीर चोट पड़ती है। मत्स्य पालन में स्थिति और भी जटिल हो जाती है–समुद्री तापीय लहरों के कारण जल में घुलित ऑक्सीजन की मात्रा घटती है, जिससे मछलियां तनावग्रस्त हो जाती हैं और उनका जीवित रहना कठिन हो जाता है। इस तरह, अत्यधिक गर्मी खाद्य उत्पादन के सभी प्रमुख स्रोतों को एक साथ प्रभावित कर रही है।

असली चुनौती तब सामने आती है जब ये प्रभाव एक-दूसरे को बढ़ाने लगते हैं। चरम गर्मी सूखे को जन्म देती है, जिससे जल संसाधनों पर अभूतपूर्व दबाव पड़ता है। सिंचाई के लिए पानी की कमी फसलों की उत्पादकता को और घटा देती है, जबकि पशुओं और मनुष्यों के लिए जल संकट गंभीर रूप ले लेता है। इसके अलावा, उच्च तापमान कीटों और रोगों के प्रसार के लिए अनुकूल परिस्थितियां पैदा करता है। टिड्डी दल जैसी घटनाएं अधिक बार और अधिक तीव्रता से देखने को मिल रही हैं, जो कुछ ही दिनों में विशाल फसल क्षेत्र को नष्ट कर सकती हैं। इस प्रकार, तापमान वृद्धि केवल एक अलग-थलग समस्या नहीं बल्कि एक ऐसे चक्र का हिस्सा है जो लगातार खुद को मजबूत करता जाता है। वन क्षेत्रों में भी इसका गहरा प्रभाव दिखाई देता है। बढ़ती गर्मी और सूखे के कारण जंगलों में आग लगने की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे जैव विविधता को नुकसान पहुंचता है और कार्बन चक्र बाधित होता है। यह एक खतरनाक दुष्चक्र को जन्म देता है– जंगलों की आग से कार्बन उत्सर्जन बढ़ता है, जो आगे तापमान वृद्धि को और तेज करता है, और यह वृद्धि फिर नई आग की घटनाओं को जन्म देती है। इस चक्र का प्रभाव अंततः कृषि और खाद्य प्रणालियों पर ही पड़ता है। चरम गर्मी का एक महत्वपूर्ण लेकिन अक्सर अनदेखा पहलू श्रम उत्पादकता पर इसका प्रभाव है। कृषि क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिक, विशेषकर विकासशील देशों में, अत्यधिक तापमान के कारण काम करने में असमर्थ हो जाते हैं। जब ÷गीला बल्ब तापमान÷ एक निश्चित सीमा से ऊपर पहुंच जाता है, तो मानव शरीर के लिए लंबे समय तक काम करना जानलेवा हो सकता है। यह स्थिति एक प्रकार का ÷हीट-इकोनॉमी ट्रैप÷ पैदा करती है, जहां गर्मी सीधे श्रम, उत्पादन और आय–तीनों को सीमित कर देती है।

अनुमान है कि दक्षिण एशिया जैसे क्षेत्रों में साल के सैकड़ों दिन ऐसे हो सकते हैं, जब श्रमिकों के लिए काम करना संभव नहीं रहेगा। इसका सीधा असर किसानों और मजदूरों की आय पर पड़ता है, जिससे आर्थिक असुरक्षा बढ़ती है। इन सभी प्रभावों का सम्मिलित परिणाम एक कैस्केडिंग फेल्योर के रूप में सामने आता है। जब फसलें असफल होती हैं, पशुधन प्रभावित होता है और श्रमिक काम नहीं कर पाते, तो खाद्य आपूर्ति शृंखला टूटने लगती है। इसका सीधा असर बाजार पर पड़ता है- खाद्य कीमतें बढ़ती हैं, जिससे गरीब और कमजोर वर्गों के लिए भोजन तक पहुंच और कठिन हो जाती है। यह स्थिति कुपोषण, गरीबी और सामाजिक अस्थिरता को जन्म देती है। कई क्षेत्रों में यह प्रवासन को भी बढ़ावा देती है, जहां लोग जीविका की तलाश में अपने घर छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। इस प्रकार, चरम गर्मी एक पर्यावरणीय समस्या से कहीं अधिक- एक व्यापक सामाजिक-आर्थिक संकट बन जाती है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए यह चुनौती और भी गंभीर है। हरियाणा, पंजाब और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में हाल के वर्षों में हीटवेव्स के कारण गेहूं और चावल की पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा गया है। विशेष रूप से देर से बोई गई फसलों पर इसका असर अधिक पड़ता है, जिससे उत्पादन में 10 से 15 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है। भारत की हरित क्रांति का केंद्र रहे ये क्षेत्र अब जलवायु अस्थिरता के सबसे बड़े प्रयोगशाला बनते जा रहे हैं। इसके साथ ही, भूजल का अत्यधिक दोहन और बढ़ती गर्मी मिलकर जल संकट को और गहरा कर रहे हैं, जो कृषि की स्थिरता के लिए गंभीर खतरा है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

हेल्थ अपडेट

लगातार मोबाइल पर रहने से दिमाग पर असर, डोपामाइन डिटॉक्स से मिलेगी शांति

डिजिटल युग में जीने के तरीके बदल गए हैं। सोशल मीडिया इस कदर लोगों के जीवन से जुड़ गया है कि खाली समय मिलते ही लोग तुरंत अपना मोबाइल उठा लेते हैं। फिर रील स्क्रॉल करते हुए घंटों बीत जाते हैं और समय का पता ही नहीं चलता। इसका कारण डोपामाइन है। डोपामाइन दिमाग का एक केमिकल (न्यूरोट्रांसमीटर) है जो हमें खुशी, संतुष्टि और मोटिवेशन महसूस कराता है। घंटों रील देखने या ऑनलाइन गेम खेलने से दिमाग हाई लेवल की उत्तेजना (स्टिमुलेशन) का आदी हो जाता है। फिर ऐसे लोगों के लिए काम या पढ़ाई में फोकस करना मुश्किल हो जाता है। स्क्रीन टाइम की लत से बचने के लिए डोपामाइन डिटॉक्स करना जरूरी है। डोपामाइन डिटॉक्स एक तरह का उपवास है। इसमें व्यक्ति को कुछ समय के लिए उन चीजों से दूरी बनानी होती है जो उसे तुरंत खुशी देती हैं। इसका उद्देश्य दिमाग को रीसेट करना होता है, ताकि वह फिर से सामान्य और सरल गतिविधियों में भी आनंद महसूस कर सके। डोपामाइन डिटॉक्स का मतलब है बहुत ज्यादा और गैरजरूरी उत्तेजना को कम करना। डोपामाइन डिटॉक्स की प्रक्रिया को समझने के लिए यह जानना जरूरी है कि डोपामाइन को पूरी तरह खत्म नहीं किया जा सकता और न ही करना चाहिए। यह शरीर के लिए जरूरी है।

मुश्किल नहीं डोपमाइन डिटॉक्स: कुछ आदतें डोपामाइन ट्रिगर्स का संकेत हो सकती हैं। जैसे बार-बार मोबाइल चेक करना, सोशल मीडिया स्क्रॉल करना, वीडियो या वेब सीरीज लगातार देखना, वीडियो गेम खेलना, जंक फूड और मीठा ज्यादा खाना, बिना मतलब इंटरनेट चलाना। डोपामाइन डिटॉक्स करना मुश्किल नहीं है। इसकी शुरुआत धीरे-धीरे अच्छे रिजल्ट मिल सकते हैं। शुरुआत में 2-4 घंटे के लिए मोबाइल और सोशल मीडिया से दूर रहें। फिर धीरे-धीरे समय बढ़ाएं। आप चाहें तो हफ्ते में एक दिन नो स्क्रीन डे भी रख सकते हैं।बार-बार नोटिफिकेशन चेक करने से बचें। जरूरत न हो तो फोन को साइलेंट मोड पर पर या खुद से दूर रखें। कुछ समय के लिए इंस्टाग्राम, फेसबुक या यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से दूरी बनाएं। डिजिटल ब्रेक के समय को कुछ नया सीखने या अपने शौक पूरे करने के लिए इस्तेमाल करें। जब कोई व्यक्ति डोपामाइन डिटॉक्स करता है, तो उसे कई फायदे मिलते हैं। जब आप ध्यान भटकाने वाली चीजों से दूर रहते हैं, तो आपका दिमाग ज्यादा अच्छे से काम पर फोकस कर पाता है। छोटी-छोटी चीजों में भी मजा आने लगता है, जैसे किताब पढ़ना या कुछ नया सीखना। डिजिटल शोर कम होने से दिमाग रिलैक्स महसूस करता है और चिंता कम होती है।समय का सही इस्तेमाल करने से काम जल्दी पूरा होता है।

निशाना

अधरों पर मुस्कान जरा सी..!

बसंत कुमार शर्मा

है अपनी पहचान ज़रा सी.
अधरों पर मुस्कान ज़रा सी.
राह प्रेम की मुश्किल है, पर,
होती नहीं थकान ज़रा सी.
मैं शिकार करता भी कैसे,
छोटा तीर, कमान ज़रा सी.
आसमान को अखर रही है,
मेरी एक उड़ान ज़रा सी.
राह झूठ की खड़ी रोक के,
सच की है चट्टान ज़रा सी.
छोड़ महल जा नदी किनारे,
प्यारे मस्ती छान ज़रा सी.
किस किस को चंदा दे दे वो,
जिसकी पास दुकान ज़रा सी.
कितना बोझ उठाए बचपन,
बस्ता भारी जान ज़रा सी.
करती रहती बड़े धमाके,
होती भले ज़बान जरा सी.
इतना ही कहता हूँ ग़ज़ल से,
हो जा रस की खान ज़रा सी.

यूजर्स गाइड

यूट्यूब ने सबके लिए फ्री किया पिक्चर-इन-पिक्चर मोड, चालू करना आसान

यूट्यूब अपने यूजर्स के लिए एक अच्छी सुविधा लेकर आया है। कंपनी ने अब सभी यूजर्स के लिए फ्री में पिक्चर-इन-पिक्चर मोड को रोल आउट करना शुरू कर दिया है। दुनिया भर के यूट्यूब यूजर्स अब एक छोटी स्क्रीन पर यूट्यूब वीडियो चालकर बैकग्राउंड में अन्य ऐप्स का इस्तेमाल कर पाएंगे। दरअसल, अभी तक यह सुविधा या तो यूट्यूब प्रीमियम का सब्सक्रिप्शन लेने वाले यूजर्स या फिर अमेरिका में रहने वाले यूजर्स को ही मिलती थी। लेकिन, अब दुनिया भर के यूट्यूब यूजर्स के लिए इस सुविधा को रोल आउट कर दिया गया है। यानी अब फ्री में बिना प्रीमियम के भी यूट्यूब वीडियो छोटी स्क्रीन पर देख पाएंगे। इसे एंड्रॉयड और iOS दोनों ऐप्स के लिए लाया गया है।

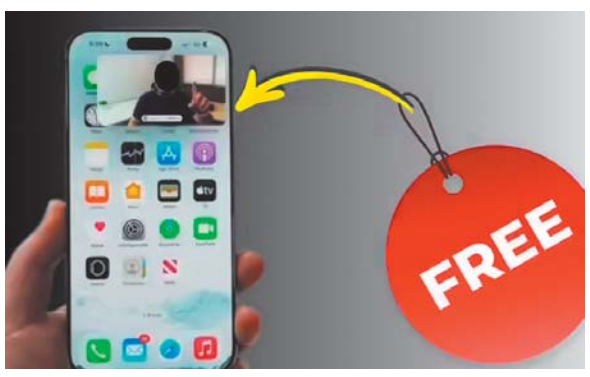

बता दें कि पिक्चर-इन-पिक्चर मोड पहले सिर्फ प्रीमियम अकाउंट्स के लिए ही उपलब्ध था, लेकिन गूगल इसे अमेरिका में एंड्रॉयड और द्वहस्र यूजर्स के लिए भी फ्री में उपलब्ध करा दिया था। इस फीचर को अब कंपनी दुनिया भर के सभी यूट्यूब यूजर्स के लिए लाया है। tozGoogle की रिपोर्ट के अनुसार, YouTube पर पिक्चर-इन-पिक्चर मोड अब सभी यूजर्स के लिए फ्री है। इसे इस्तेमाल करने के लिए अब यूजर्स को पैसे देने की जरूरत नहीं है। हालांकि, इसमें बस एक शर्त है। इसे सिर्फ लंबे, बिना म्यूजिक वाले कंटेंट के लिए ही इस्तेमाल किया जा सकता है।

PiP को इसे चालू करना बहुत आसान है।आपको बस YouTube ऐप की Ad1anced सेटिंग्स में जाना होगा। फिर यहां PiP के लिए सर्च करें और इसे ऑन कर दें। एक बार यह चालू हो जाए, तो आप सामान्य तरीके से वीडियो देखना शुरू कर सकते हैं। जब आप ऐप को छोटा करेंगे या बैक आएंगे, तो वीडियो आपकी स्क्रीन पर एक छोटी सी विंडो में चलता रहेगा। आप वीडियो प्लेयर का साइज अपनी मर्जी से बदल सकते हैं या अगर आपको उसकी जरूरत नहीं है तो उसे बंद भी कर सकते हैं।

खबर ऐसी भी

खूबसूरत मुस्कान के चक्कर में नरक बनी जिंदगी! 19 लाख फूंके, सारे दांत भी जाते रहे

इंसान अपनी खूबसूरती को निखारने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार रहता है, लेकिन कभी-कभी एक गलत फैसला पूरी जिंदगी को अंधेरे में धकेल देता है। ब्रिटेन के नॉरविच की रहने वाली 38 वर्षीय जैकी लिन की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। जैकी को क्या पता था कि जिस मुस्कान को वापस पाने के लिए वह तुर्की जा रही हैं, वह उनके जीवन की सबसे बड़ी भूल साबित होगी। दरअसल, हॉर्मोनल असंतुलन और केमिकल मेनोपॉज के कारण जैकी के दांत कमजोर होकर टूटने लगे थे, जिसे ठीक कराने के लिए उन्होंने तुर्की के डेंटिस्ट पर भरोसा किया। शुरुआत में जैकी ने करीब 3 लाख रुपये में कम्पोजिट बॉन्डिंग कराई। पहले तो वह नतीजे देखकर बहुत खुश थीं, लेकिन जल्द ही उनके दांतों की परत उखड़ने लगी। हार मानकर वह दोबारा तुर्की गईं और इस बार एक दूसरे क्लीनिक में करीब 6 लाख रुपये खर्च किए।

दूसरे क्लिनिक में उन्हें बताया गया कि उनके दांतों में कुछ रूट कैनाल की जरूरत है, लेकिन जब वह बेहोशी से जागीं, तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। डॉक्टर ने बिना बताए उनके 15 रूट कैनाल कर दिए थे और उनके मुंह में क्राउन ब्रिज डाल दिया था। इलाज के बाद जैकी को जो दर्द शुरू हुआ, उसे उन्होंने 'नरक' जैसा बताया। उनके पूरे शरीर में बेतहाशा दर्द था। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि उन्हें हफ्ते भर के भीतर फिर से तुर्की भागना पड़ा। वहां एक अन्य डेंटिस्ट ने बताया कि उनके दांतों को जरूरत से ज्यादा घिस दिया गया है और अब एकमात्र रास्ता यह है कि उनके सभी दांत निकाल दिए जाएं और इम्प्लांट्स लगाए जाएं। इस पूरे चक्कर में खर्च बढ़कर लगभग 19 लाख रुपये तक पहुंच गया, जो उन्हें अपने पिता से उधार लेने पड़े।

मौत के करीब पहुंचा देने वाला इन्फेक्शन: मुसीबतें यहीं खत्म नहीं हुईं। दांतों के गलत इलाज की वजह से उन्हें जानलेवा संक्रमण हो गया। उनके चेहरे का एक हिस्सा बुरी तरह सूज गया और उनकी आंख काली पड़ गई, जिससे उन्हें दिखना भी बंद हो गया था। जांच में पता चला कि दांतों के मसूड़ों में दो बड़े घाव बन गए थे, जिनका जहर उनके साइनस और खून के जरिए पूरे शरीर में फैल रहा था। डॉक्टरों को उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कर ड्रिप चढ़ानी पड़ी, ताकि उनकी जान बचाई जा सके। आज जैकी मात्र 38 साल की हैं, लेकिन उनके पास एक भी असली दांत नहीं बचा है। फिलहाल वह अस्थायी नकली दांतों के सहारे हैं और ठोस खाना खाने में भी असमर्थ हैं। वह कहती हैं, मैं सोच रही थी कि मैंने ये क्या कर दिया? मैं इतनी कम उम्र में अपने सारे दांत नहीं खोना चाहती थी। जैकी अब अन्य लोगों को चेतावनी दे रही हैं कि वे सस्ते इलाज के लालच में आकर अपनी सेहत से खिलवाड़ न करें।

न्यूज विंडो

पानी की तलाश में बारहसिंघा सूखे हुए कुएं में गिरा

कटनी। जिले के ढीमरखेड़ा क्षेत्र में पानी की तलाश में भटकता हुआ एक बारहसिंघा अतरसूंमा गाँव के एक सूखे कुएं में जा गिरा। ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया। यह घटना भीषण गर्मी के कारण जंगली क्षेत्रों में गहराते जलसंकट को उजागर करती है।

मनरेगा कर्मचारियों को पिछले पांच महीने से नहीं मिला वेतन

डिंडोरी। डिंडोरी में मनरेगा कर्मचारियों ने पिछले पांच महीने से वेतन न मिलने के कारण सामूहिक अवकाश पर जाने की मांग की है। इस संबंध में कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया और जिला पंचायत सीईओ को ज्ञापन सौंपा गया है। जिला अध्यक्ष प्रदीप शुक्ला ने बताया कि इंजीनियर, एडीपीओ सहित सभी मनरेगा कर्मचारी शासन की योजनाओं और कार्यों को निष्ठापूर्वक कर रहे हैं। हालांकि, पांच महीने से वेतन न मिलने के कारण उन्हें आर्थिक, पारिवारिक और सामाजिक जरूरतों को पूरा करने में भारी कठिनाई हो रही है।

हादसे में 16 मौतों के बाद जागा प्रशासन, एनएचएआइ की लापरवाही आई सामने

गांव-गांव उठीं अर्थियां... कहीं एक चिता पर जलीं आठ लाशें तो कहीं चार महिलाओं की साथ विदाई

धार। दोपहर मेट्रो

तिरला ब्लॉक के इंदौर-अहमदाबाद हाईवे पर हुए भीषण सडक हादसे में 16 लोगों की दुखद मौत हो चुकी हैं, जिसमें एक ही परिवार के चार लोग भी शामिल है। बुधवार सुबह जिला अस्पताल में पीएम के बाद सभी शवों को उनके गांव भेजा गया। एक साथ इतने शवों को भेजने के लिए शव वाहन ही कम पड गए। जिला प्रशासन की सूचना पर झाबुआ, रतलाम सहित उज्जैन से वाहनों को बुलाया गया।

हादसे में ग्राम नयापुरा के 9 लोग, सेमलीपुरा के 5 लोग और रामपुरा के 2 लोगों की मौत हुई हैं, सभी का अंतिम संस्कार गुरुवार सुबह अलग-अलग श्मशान घाट पर किया गया। घटना स्थल का निरीक्षण करने के लिए डीआईजी ग्रामीण मनोज कुमार सिंह भी मौके पर पहुंचे। डीआईजी सिंह ने चर्चा में बताया कि प्रारंभिक तौर पर हादसे की वजह ओवर स्पीडिंग सामने आ रही है। साथ ही रोड इंजीनियरिंग और नेशनल हाईवे ऑफ इंडिया की गलती सामने आई है। यहां टर्न पर न तो साइन बोर्ड लगे हैं और न ही स्टॉप सिग्नल है। हम इन सभी बिंदुओं को लेकर संबंधित विभाग को पत्र लिखा जाएगा, ताकि आगामी दिनों में इस प्रकार के हादसों की पुनार्रवति नहीं हो।

दरअसल तिरला थाना अंतर्गत चिकल्या फाटे पर कल रात 8:30 बजे हादसा हुआ था। वाहन की गति अधिक होने के दौरान पिकअप का टायर फटा व स्कार्पियों से टकरा गया। हादसे में मजदूर पिकअप से बाहर गिर गए थे, जिसके कारण ही मतकों की संख्या बढ़ी है। पिकअप वाहन में 44 मजदूर सवार थे, सभी मजदूर ग्राम लेबड में एक खेत पर चकुंदर काटने गए थे, जहां से मजदूरी करके गांव लौट रहे थे। महिलाओं के साथ उनके बच्चें भी थे। रात में ही एंबुलेंस सहित अन्य वाहनों से घायलों व शवों को धार जिला अस्पताल भेजा गया। हादसे में मृत नयापुरा के 9, सेमलीपुरा के 5 और रामपुरा के 2 लोगों का अलग-अलग मुक्तिधामों में अंतिम संस?कार किया गया। केंद्रीय राज्यमंत्री साावित्री ठाकुर भी रामपुरा, सेमलीपुरा एवं नवापुरा पहुँचकर कल हुए भीषण सड़क हादसे में दिवंगतों को श्रद्धांजलि अर्पित की। ग्रामीणों ने बताया कि भीषण सड़क हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है।

सेमलीपुरा में मां, बहन, बेटी और भाभी की एक ही चिता

हादसे का सबसे मार्मिक दृश्य सेमलीपुरा में देखने को मिला। यहाँ एक ही परिवार की चार महिलाओं का अंतिम संस्कार एक ही चिता पर किया गया। ये चारों महिलाएं आपस में मां, बहन, बेटी और भाभी थीं। जब चारों की एक साथ शव यात्रा निकली, तो पूरे गांव के लोग अपने आंसू नहीं रोक पाए। वहीं, दो अन्य मृतकों का अंतिम संस्कार रामपुरा में किया गया। शुक्रवार को धार सर्किट हाउस में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने हादसे को लेकर समीक्षा बैठक भी की, बैठक में हादसे के कारणों की गहन पड़ताल की गई और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़े निर्देश जारी किए गए। बैठक में डीआईजी ग्रामीण मनोज कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक मंयक अवस्थी, प्रभारी कलेक्टर अभिषेक चौधरी के साथ केंद्रीय महिला बाल विकास मंत्री सावित्री ठाकुर भी शामिल हुई। इंदौर-अहमदाबाद हाईवे पर हुए भीषण हादसे ने न केवल 16 जिंदगियां लील लीं, बल्कि पीछे छूटे 44 घायलों को ऐसे जख्म दिए हैं जिनकी कसक शायद उम्रभर कम न हो। जहां गुरुवार को नयापुरा, सेमलीपुरा और रामपुरा के श्मशान घाटों पर एक साथ उठी चिताओं की अग्नि शांत हुई, वहीं विभिन्न अस्पतालों में भर्ती घायलों की आंखों से आंसुओं का सैलाब रुकने का नाम नहीं ले रहा है। हादसे में घायल हुए 44 मजदूरों का उपचार धार और इंदौर के विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है। कई घायल ऐसे हैं जिन्हें अभी तक यह भी नहीं पता कि उनके साथ मजदूरी पर गए उनके सगे-संबंधी अब इस दुनिया में नहीं रहे।जिला अस्पताल धार में सबसे अधिक 9 घायलों का उपचार जारी है। विनायक हॉस्पिटल में 3 घायलों को भर्ती किया गया है, महाजन हॉस्पिटल में 4 घायलों की स्थिति पर डॉक्टर नजर रखे हुए हैं।इंदौर के स्काई हॉस्पिटल में गंभीर रूप से घायल 1 मरीज का यहां सघन उपचार आईसीयूमें चल रहा है।

मंदसौर में हनी ट्रैप-प्यार में फंसाया, 21 लाख ऐंठे; महिला ने बलात्कार प्रकरण भी दर्ज कराया

मंदसौर। दोपहर मेट्रो

सीतामऊ पुलिस ने हनी ट्रैप का मामला दर्ज किया है। इस मामले में एक 32 वर्षीय महिला ने पहले एक युवक को प्यार के झांसे में फंसाया। ब्लैकमेल कर जब रुपए देते-देते व्यक्ति थक गया तो आरोपी महिला ने बलात्कार का मामला दर्ज करवा दिया। पूरा मामला सामने तब आया जब पीड़ित युवक की पत्नी ने जाकर पुलिस को पूरा मामला बताया। महिला ने युवक को प्यार में फंसा कर एक साल में 21 लाख रुपए ऐंठ लिए। इतना ही नहीं महिला ने युवक पर बलात्कार प्रकरण भी दर्ज करा दिया था।

इस मामले में संबंधित की पत्नी ने महिला द्वारा ब्लैकमेलिंग को लेकर जब सीतामऊ थाने में शिकायत की तो सामने आया कि आरोपी महिला ने एक साल में ब्लैकमेल कर 21 लाख रुपए संबंधित व्यक्ति से लिए है। उसके बाद सीतामऊ पुलिस ने आरेापी महिला के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण पंजीबद्ध किया है। पुलिस आरोपी महिला की तलाश कर रही है।

सीतामऊ थाना प्रभारी कमलेश प्रजापति ने बताया कि पूजा उर्फ सिया चौहान उम्र 32 निवासी सीतामऊ ने एक व्यक्ति को प्यार के झांसे में फंसाया। उसके बाद उस व्यक्ति को ब्लैकमेल किया। एक साल में 21 लाख रुपए आरोपी महिला पूजा ने व्यक्ति से ब्लैकमेल कर लिए। इन सब के पुख्ता सबूत भी शिकायत के साथ दिए गए। इससे पहले आरोपी महिला ने संबंधित व्यक्ति के खिलाफ 24 अप्रेल को बलात्कार का मामला दर्ज करवा दिया था। इसमें आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया था। जहां से उसे जेल भेज दिया था। आरोपी महिला पूजा की तलाश की जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार किया जाएगा।

शराब ओवर रेटिंग का खेल जिम्मेदार विभागों पर सवाल

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

जिले में शराब की ओवररेटिंग (निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली) का मामला लगातार सामने आ रहा है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि दुकानदार एमआरपी से ज्यादा कीमत वसूल रहे हैं, लेकिन शिकायतों के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जब भी शराब खरीदी जाती है, तो बिल देने में आनाकानी की जाती है और तय दर से अधिक पैसे लिए जाते हैं। इससे आम उपभोक्ता खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। सवाल यह उठ रहा है कि आखिर आबकारी विभाग इस पर सख्ती क्यों नहीं दिखा रहा। आबकारी विभाग की निष्क्रियता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। नियमों के अनुसार शराब की बिक्री निर्धारित दरों पर ही होनी चाहिए, और किसी भी प्रकार की ओवररेटिंग अवैध है। इसके बावजूद जिले में यह प्रथा खुलेआम जारी है। वहीं, उपभोक्ताओं ने उपभोक्ता संरक्षण आयोग की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। लोगों का कहना है कि यदि जिले में उपभोक्ता संरक्षण की टीम सक्रिय है, तो इस तरह की शिकायतों पर स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही। जानकारों का मानना है कि यदि प्रशासन और संबंधित विभाग मिलकर संयुक्त रूप से अभियान चलाएं, तो इस समस्या पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है। लेकिन फिलहाल स्थिति जस की तस बनी हुई है।

पीथमपुर से पांदुर्णा आते समय बस खाई में गिरी

पांदुर्णा। दोपहर मेट्रो

पांदुर्णा आ रही यात्री बस देर रात घाटी क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बस में 40 से अधिक यात्री सवार थे। घटना देर रात करीब 2 बजे पीथमपुर से पांदुर्णा आते समय हुई। जानकारी के अनुसार ट्रक से टकराने के बाद बस गहरी खाई में गिरने से बच गई, जिससे बड़ा हादसा टल गया। किसी भी यात्री को गंभीर चोटें नहीं आईं।

जागरूकता अभियान... हेलमेट पहनने वालों को गुलाब, नियम तोड़ने वालों को चेतावनी

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

सड़क सुरक्षा को लेकर जिले में विशेष अभियान के तहत गुरुवार को हेलमेट जागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक विदिशा रोहित काशवानी ने स्वयं जयस्तंभ चौराहे पर पहुंचकर अभियान की कमान संभाली और लोगों को यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित किया।

पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार 26 अप्रैल से 10 मई तक पूरे प्रदेश में हेलमेट चेकिंग एवं जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य केवल चालानी कार्रवाई करना नहीं, बल्कि नागरिकों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाकर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना है। अभियान के दौरान दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित किया गया। वहीं, जो चालक हेलमेट पहनकर वाहन चला रहे थे, उन्हें गुलाब का फूल देकर सम्मानित किया गया। इस पहल से आमजन में सकारात्मक संदेश गया और लोगों ने इसे सराहा। पुलिस अधीक्षक काशवानी ने डॉल्फिन स्कूल सहित अन्य शैक्षणिक संस्थानों में पहुंचकर छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों की जानकारी दी।

कार्यक्रम में ट्रैफिक विषय पर भाषण देने वाले शीर्ष 10 छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र एवं पेन देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राएं एवं स्कूल स्टाफ मौजूद रहा। अभियान के दौरान एसडीओपी शिखा भलावी, थाना प्रभारी शहर निरीक्षक संजय वेदिया, देहात थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज दुबे, यातायात थाना प्रभारी निरीक्षक निरपत सिंह लोधी सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि अपनी सुरक्षा के लिए दोपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट का उपयोग करें और यातायात नियमों का पालन कर सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करें।

राजस्व अधिकारियों के समन्वित प्रयासों से ही परिलक्षित होगी प्रगति: कलेक्टर

नर्मदापुर। दोपहर मेट्रो

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने गुरुवार को राजस्व अधिकारियों की जिला स्तरीय बैठक में विभिन्न राजस्व प्रकरणों, सीएम हेल्पलाइन, वन व्यवस्थापन, नजूल, जल गंगा संवर्धन अभियान, राजस्व वसूली और लोक सेवा गारंटी जैसे मामलों की विस्तृत समीक्षा की।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी राजस्व अधिकारी प्रगति प्रतिशत बढ़ाएं और आगामी एक सप्ताह में आरसीएमएस पोर्टल पर अपनी प्रगति अपलोड करें। एसडीएम माह में दो बार तहसीलदारों की बैठक करें, जबकि तहसीलदार साप्ताहिक रूप से पटवारी व आरआई के साथ लंबित मामलों की समीक्षा करें। उन्होंने एसडीएम को दैनिक लक्ष्य सौंपने के निर्देश दिए। मई माह में निराकरण योग्य प्रकरण शून्य करने का लक्ष्य रखा गया। एडीएम जैन को आरसीएमएस पोर्टल की तकनीकी समस्याओं के लिए प्रदेश स्तर पर समन्वय स्थापित करने को कहा गया। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत आवेदनों का समयसीमा में निराकरण सुनिश्चित करें, अन्यथा संबंधित अधिकारियों पर पेनल्टी लगेगी। सीमांकन के लंबित मामलों में कार्य योजना बनाकर नियमित भेजें, मौका निरीक्षण में दोनों पक्षों को सूचना दें और कागजी कार्रवाई पूरी करें।

न्यायालय व आयोग के प्रकरणों को प्राथमिकता दें, समयसीमा में जवाब दर्ज करें। स्वामित्व योजना के लंबित मामलों का एक माह में निराकरण हो। जल गंगा अभियान के तहत जल संरचनाओं को खसरा रिकॉर्ड में दर्ज करें, जनपद पंचायत सीईओ के साथ समन्वय करें। राजस्व न्यायालयों का नियमित संचालन सुनिश्चित करें, लापरवाही पर सख्त कार्रवाई होगी। राजस्व वसूली लक्ष्य हासिल करने और मासिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में एडीएम अनिल जैन, अपर कलेक्टर बृजेंद्र रावत, डिप्टी कलेक्टर नीता कोरी, डीआर बबिता राठौर सहित सभी एसडीएम, तहसीलदार व नायब तहसीलदार उपस्थित रहे।

उज्जैन रेलवे स्टेशन पर रेस्क्यू ऑपरेशन

26 नाबालिग बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

उज्जैन रेलवे स्टेशन पर देर रात बच्चों की तस्करी की सूचना पर बड़ा रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। अंत्योदय एक्सप्रेस ट्रेन को उज्जैन और फिर नागदा स्टेशन पर रोककर पुलिस, बाल कल्याण समिति और अन्य विभागों की टीम ने 26 नाबालिग बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। जानकारी के मुताबिक, बाल कल्याण समिति को सूचना मिली थी कि करीब 100 बच्चों को मजदूरी के लिए मुजफ्फरनगर से अहमदाबाद ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही उज्जैन में चार थानों का बल, आरपीएफ, जीआरपी, श्रम विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम को अलर्ट किया गया।रेस्क्यू ऑपरेशन का नेतृत्व कर रहीं सीएसपी दीपिका शिंदे ने तत्काल नागदा स्टेशन को सूचना देकर ट्रेन रुकवाई। वहां एक घंटे तक चली सर्चिंग के बाद 22 और नाबालिग बच्चों को ट्रेन से उतारा गया। इस तरह कुल 26 बच्चों को रेस्क्यू किया गया।

मेट्रो एंकर — 30 मई तक मकानों के सूचीकरण एवं गणना का होगा कार्य

आज से प्रगणक घर-घर जाकर करेंगे डिजिटल जनगणना

छतरपुर। दोपहर मेट्रो

भारत सरकार के महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान जनगणना 2027 के प्रथम चरण का श्रीगणेश आज से होने जा रहा है। जिला जनगणना अधिकारी एवं अपर कलेक्टर नम- शिवाय अरजरिया ने जिले के समस्त तहसीलदारों और चार्ज अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे ग्राम सभाओं के माध्यम से ग्रामीणों में इस अभियान के प्रति व्यापक जनजागरूकता फैलाएं।

जनगणना 2027 के प्रथम चरण में 1 मई से 30 मई 2026 के बीच मकानों के सूचीकरण और गणना का कार्य संपन्न किया जाएगा। इस दौरान प्रगणक जिले के प्रत्येक घर में दस्तक देंगे। वे मोबाइल ऐप के माध्यम से परिवारों से भारत सरकार द्वारा अधिसूचित 33 प्रश्न पूछेंगे। इन प्रश्नों में मुख्य रूप से मकानों की वर्तमान स्थिति, परिवारों को उपलब्ध बुनियादी सुविधाएं और उनके पास मौजूद परिसम्पत्तियों की विस्तृत जानकारी संकलित की जाएगी। उल्लेखनीय है कि देश के

इतिहास में पहली बार जनगणना का कार्य पूरी तरह डिजिटल माध्यम से कराया जा रहा है। इसमें नागरिकों को स्वगणना का विकल्प भी प्रदान किया गया है, जिसके लिए 16 अप्रेल से 30 अप्रेल तक की समय सीमा निर्धारित की गई थी। अब आज से प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर डिजिटल डेटा संग्रह का मुख्य कार्य प्रारंभ होगा। जिला प्रशासन ने समस्त नागरिकों से इस राष्ट्रीय महत्व के कार्य में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने और प्रगणकों को सही जानकारी उपलब्ध कराने की अपील की है। गांवों में मुनादी के माध्यम से प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि जागरूकता के अभाव में कोई भी परिवार इस गणना से वंचित न रह जाए। जनगणना 2027 को केवल आंकड़ों का संकलन नहीं, बल्कि भविष्य के भारत और राज्य के विकास की ठोस नींव माना जा रहा है।

आपकी जानकारी है पूरी तरह गोपनीय

प्रशासन ने नागरिकों को आश्वस्त किया है कि जनगणना के दौरान दी गई उनकी व्यक्तिगत जानकारी पूरी तरह सुरक्षित और गोपनीय रहेगी।

गोपनीयता: जनगणना अधिनियम 1948 और नियमावली 1990 के तहत संकलित जानकारी को किसी से साझा नहीं किया जाएगा।

दुरुपयोग पर रोक: इस डेटा का उपयोग पुलिस जांच, कर संबंधी कार्यवाही या किसी भी प्रकार के कानूनी साक्ष्य के रूप में नहीं किया जा सकता।

सूचना के अधिकार से बाहर: व्यक्तिगत जानकारी को सूचना के अधिकार के माध्यम से भी प्राप्त नहीं किया जा सकता है।

सुविधाओं पर प्रभाव नहीं: जनगणना में दी गई जानकारी का वर्तमान सरकारी लाभों जैसे राशन या पेंशन पर कोई भी नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा।

उन्नत नस्ल के बाघ तैयार करने का अनूठा प्रयोग, नई तकनीक पर हो रहा काम

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

हाल ही में विकसित किए गए टाइगर रिजर्व में अब बाघ संरक्षण के साथ साथ उनकी बेहतर नस्ल तैयार करने के केंद्र बनते नजर आ रहे हैं। वन्यजीव विशेषज्ञों का मानना है कि वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में अलग-अलग क्षेत्रों से लाए गए बाघ बाघिनों के प्रजनन से एक मजबूत और उन्नत जीन पूल तैयार होगा। यहां पर बाघों को बसाकर आबादी और गुणवत्ता दोनों बढ़ाने की रणनीति अपनाई गई है दरअसल गुजरात के गिर के शेर और मध्य प्रदेश के बारहसिंघा संकट में आ गए थे, क्योंकि एक जगह पर सिमटे होने के कारण अंतप्रजनन की समस्या के चलते इनकी नस्ल कमजोर हो रही थी और धीरे-धीरे इनकी आबादी पर संकट आ रहा था। इन दो बड़ी प्रजातियों पर आज संकट को देखते हुए टाइगर स्टेट मध्य प्रदेश ने एक बड़ी सीख ली और दुनिया भर में अपने बाघों के लिए मशहूर मध्य प्रदेश के बाघ अंत प्रजनन की समस्या का शिकार ना हो जाए और उनकी नस्ल कमजोर ना हो, इसके लिए मध्य प्रदेश के टाइगर

रिजर्व में इस बात का विशेष ध्यान रखा गया।

इसका सबसे बड़ा उदाहरण मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व वीरांगना रानी दुर्गावती रिजर्व है. यह प्रयोग ज्यादातर मध्य प्रदेश के उन टाइगर रिजर्व में किया जा रहा है, जो नए हैं और दूसरे टाइगर रिजर्व से गलियारे के तौर पर जुड़े हुए हैं, ताकि वहां के बाद दूसरे जंगलों में विचरण करें और नए साथी के साथ समागम कर आनुवांशिक तौर पर उत्तम नस्ल तैयार करें, ताकि भविष्य में मध्य प्रदेश के बाघों की नस्ल सर्वश्रेष्ठ नस्ल हो।

बाघों की नस्ल की सुधार के दिशा में किए जा रहे प्रयासों को समझने के लिए सबसे पहले अंत प्रजनन और उससे जुड़ी चुनौतियों को समझना होगा। नौरादेही टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर रजनीश कुमार सिंह बताते हैं कि जैसे भारतीय परंपरा में सगोत्रीय विवाह नहीं किए जाते हैं। यह एक तरह से Inbreeding को रोकने का ही प्रयास है, क्योंकि सगोत्रीय विवाह होगा, तो बहुत संभावना है कि आनुवांशिक तौर पर बहन और भाई का विवाह हो जाएगा. विज्ञान में इसे ही अंत प्रजनन कहा गया है। भारतीय संस्कृति विज्ञान से ही जन्मी है। हमारे ऋषि मुनियों और अध्येताओं ने विज्ञान को समझा और परंपरा का रूप दिया है। सभी को पता है कि मानव शरीर के अंदर जीव और क्रोमोसोम होते हैं। इनमें X माता से और ङ्क पिता से प्राप्त होता है। वहीं लड़कियों के लिए दोनों XX माता और पिता से प्राप्त होते हैं। मानव शरीर में चाहे रंग, बाल, नाक, कान और दूसरे अंग हैं, वह जीन से ही निर्धारित होते हैं। प्राकृतिक रूप से कुछ जीन प्रभावी और कुछ जीन अप्रभावी होते है।

वाइल्ड लाइफ कॉरिडोर पर संकट के कारण बनी समस्या

नौरादेही टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर बताते है कि इंसानों की तरह अंत प्रजनन की समस्या वन्यप्राणियों में भी होती है। प्राकृतिक रूप से देखा जाए, तो 50-100 साल पहले वन्यप्राणी एक कॉरिडोर के रूप में एक दूसरे से जुड़े हुए थे। ऐसे में वन्यप्राणी अपने साथी की तलाश में कभी कान्हा से अचानक किसी दूसरे जंगल में चले जाते थे। इस वजह से उनमें की समस्या नहीं हो पाती थी, क्योंकि उनको अलग-अलग जगह के जीन मिलते थे, लेकिन धीरे-धीरे हमारे कॉरिडोर खत्म होते गए जंगलों को काट दिया गया और जंगल एक तरह से द्वीप में तब्दील हो रहे हैं। इनमें जो जानवर फंस कर रह गए, वह आपस में अंतःप्रजनन करते रहेंगे। इसका सबसे बड़ा उदाहरण गुजरात में सिंह और मध्य प्रदेश में बारहसिंघा के साथ देखने मिला है।

न्यूज विंडो

ककड़ी तोड़ रहे भाइयों पर गिरी आकाशीय बिजली, एक की मौत

तेंदूखेड़ा। देवरी जमादार गांव में खेत में ककड़ी तोड़ रहे दो भाइयों पर आकाशीय बिजली गिर गई जिसमें दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें परिजन इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने एक भाई को मृत घोषित कर दिया जबकि दूसरे का इलाज चल रहा है। इस घटना में एक मोबाइल भी क्षतिग्रस्त हुआ है। जिसे परिजन अपने साथ लेकर जिला अस्पताल पहुंचे थे। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है। मृतक की पहचान नारायण पिता पिता राजू सिंह लोधी 23 के रूप में हुई है। मृतक के भाई सुरेंद्र सिंह लोधी ने बताया कि उसके दोनों भाई नारायण और 26 वर्षीय संजय सिंह लोधी गांव में गुरुवार सुबह करीब 6-30 बजे खेत में ककड़ी तोड़ रहे थे। इसी दौरान आकाशीय बिजली खेत में गिरी और उनके दोनों भाई इसकी चपेट में आ गए। उनके पास सूचना आई तो वह परिजनों को लेकर खेत पहुंचे और दोनों भाइयों को इलाज के लिए जिला अस्पताल लाए। जहां डॉक्टरों ने एक भाई नारायण सिंह लोधी को जांच के बाद मृत घोषित कर दिया है।

एक बस का पंजीयन निरस्त, 8 बसों पर 24500 रुपए जुर्माना

सागर. ओवरलोड, अधिक किराया लेने, परमिट शर्तों का उल्लंघन, टैक्स बकाया यात्री बसों पर चैकिंग की गई। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने 1 यात्री बस जो कि 15 वर्ष से अधिक पुरानी होने के कारण यात्रियों की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए उक्त वाहन का पंजीयन निरस्त किया गया है एवं उक्त यात्री बस को स्क्रेप करने का आदेश जारी किया है। साथ ही मोतीनगर चैराहा, लहदरा नाका, भोपाल रोड पर 22 यात्री बसों की जांच की गई। जांच दौरान 8 यात्री बसों में मौके पर दस्तावेज नहीं, परमिट शर्तों का उल्लंघन, यात्रियों से अधिक किराया वसूली, एचएसआरपी नम्बर प्लेट नहीं, चालक/परिचालक निर्धारित गणवेश में नहीं, रेडियम रिफ्लेक्टर टेप नहीं तथा अग्निशमन यंत्र एवं अन्य सुरक्षा संबंधी उपाय नही होने से उन यात्री बसों के विरूद्ध मोटरयान अधिनियम के तहत् कार्यवाही करते हुए रू. 24500/- का जुर्माना वसूल किया गया।

कलेक्टर ने किया उपार्जन केन्द्रों का औचक निरीक्षण

केंद्र संचालक, प्रशासक, सर्वेयर को नोटिस, एक दिन में जवाब प्रस्तुत करें

सागर। दोपहर मेट्रो

कलेक्टर प्रतिभा पाल ने गजानंद व्हेयर हाउस, अनिल तिवारी व्हेयर हॉउस बाग खेजरा के उपार्जन केंद्र का औचक निरीक्षण कर गेहूं खरीदी की प्रक्रिया का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र पर मौजूद संसाधनों, बारदानों की उपलब्धता और अनाज के सुरक्षित रखरखाव की बारीकी से जांच की। इस दौरान उन्होंने उपार्जन केंद्र पर अपनी उपज लेकर आए किसानों से संवाद किया और उनसे पंजीयन, मैसेज प्राप्ति और तुलाई में लगने वाले समय के बारे में फीडबैक लिया। उपार्जन केंद्र के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों एवं उपार्जन केन्द्र संचालक को निर्देशित किया कि उपार्जन,खरीदी केंद्रों पर पूरे 6 तौल कांटे लगाए जाएं। सभी 6 तौल कांटों पर निरंतर तुलाई कार्य चलता रहे। किसानों के लिए केंद्रों पर पर्याप्त छाया और शीतल पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। प्रत्येक किसान को सुविधा के साथ उपज का उपार्जन सुनिश्चित करें। किसानों की उपज की तुलाई समय पर हो सके इसके लिए पर्याप्त संख्या में बारदाने, तौल कांटे, सिलाई मशीन, स्लॉट बुकिंग हेतु कंप्यूटर, नेट कनेक्शन, कंप्यूटर ऑपरेटर, आदि व्यवस्थाएं उपार्जन केन्द्र पर हमेशा उपलब्ध रहें। उन्होंने उपार्जन केंद्र पर कृषकों की सुविधा के लिए पेयजल, टेंट, बैठक, इत्यादि व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया तथा सुविधाएं बढ़ाने के निर्देश दिए।

मूलभूत सुविधाओं के संबंध में विस्तृत ली जानकारी

कलेक्टर ने उपार्जन केंद्र पर अपनी उपज बेचने आए किसानों से सीधा संवाद किया। उन्होंने किसानों से उपार्जन प्रक्रिया, तुलाई और केंद्र पर मिल रही मूलभूत सुविधाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने किसानों से पूछा कि उन्हें अपनी उपज विक्रय करने में किसी प्रकार की असुविधा तो नहीं हो रही है। साथ ही, आगामी दिनों में मौसम परिवर्तन और बारिश की संभावना को देखते हुए उन्होंने केंद्र प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि उपार्जन केंद्र पर लाई गई पूरी उपज को तिरपाल से ढकने और सुरक्षित भंडारण के लिए सभी जरूरी इंतजाम तत्काल सुनिश्चित किए जाएं, ताकि संभावित बारिश से अनाज को खराब होने से बचाया जा सके। इस दौरान एसडीएम अमन मिश्रा, डीएसओ ज्योति बघेल सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी, किसान मौजूद थे।

अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई, 18 केस दर्ज

उमरिया। दोपहर मेट्रो

जिले में अवैध मदिरा के विक्रय, संग्रहण और परिवहन पर रोक लगाने के लिए आबकारी विभाग द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। जिला आबकारी अधिकारी सावित्री भगत के मार्गदर्शन में टीम ने विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर अवैध शराब के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। अभियान के दौरान अमरपुर हाइवे स्थित भाई ढाबा के संचालक जहीर खान के कब्जे से देशी-विदेशी मदिरा जब्त की गई। इसके अलावा रामखेलावन जायसवाल (बचहा), ग्राम सेमरा में नंदीलाल व संतराम, बकेली में रामलली चौधरी व रागिनी रजक, सिगुड़ी में सत्येंद्र पटेल, परासी में लल्लू सिंह तथा ग्राम दमोय में नीता प्रजापति व प्रेम बाई के पास से भी अवैध शराब बरामद की गई। इसी क्रम में वृत्त उमरिया अंतर्गत सिंह ढाबा के संचालक आकाश कुकरेजा, गगन ढाबा के विपिन गुप्ता और कौशल यादव के ठिकानों पर भी कार्रवाई करते हुए अवैध

मदिरा जब्त की गई। आबकारी विभाग ने मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) एवं 36(क) के तहत कुल 18 प्रकरण दर्ज किए हैं। कार्रवाई में कुल 210 पाव देशी-विदेशी शराब जब्त की गई, जिसकी कीमत करीब 16,000 रुपये बताई जा रही है। यह कार्रवाई आबकारी उपनिरीक्षक दिनकर सिंह तिवारी के नेतृत्व में की गई, जिसमें श्रीमती कविता सिंह, राजपति प्रजापति और नगर सैनिक जीवनलाल का विशेष योगदान रहा।

बिना अनुमति बारूद के इस्तेमाल के आरोप

शहडोल। दोपहर मेट्रो

नियमों को मजाक कैसे बनाया जाता है, यह समझना हो तो शहडोल आकर देखिए-यह बात अब यहां की जमीनी हकीकत को बयां करती नजर आ रही है। जिले में नियमों की अनदेखी कर अवैध गतिविधियों का विस्तार लगातार बढ़ता जा रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि अवैध कोयला कारोबार, बिना अनुमति रेत उत्खनन, और नियमों को ताक पर रखकर संचालित हो रहे क्रेशर व खदानों का जाल पूरे क्षेत्र में फैला हुआ है। कई स्थानों पर बिना वैध अनुमति के खनन कार्य किए जाने से शासन को राजस्व हानि के साथ-साथ पर्यावरणीय नुकसान भी हो रहा है। गंभीर आरोप यह भी सामने आ रहे हैं कि कुछ क्रेशर संचालक बिना अनुमति के बारूद (विस्फोटक सामग्री) का उपयोग कर पत्थरों का उत्खनन कर रहे हैं। यह न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि आसपास के ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा बन सकता है। विस्फोट से कंपन और धूल प्रदूषण के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार रात के समय बड़े पैमाने पर कोयला और रेत का परिवहन किया जाता है, जबकि संबंधित विभागों की कार्रवाई सीमित नजर आती है। कई बार शिकायतों के बावजूद ठोस कदम न उठने से प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

तेंदूखेड़ा नगर में जल संकट गहराया

आक्रोशित महिलाओं ने रात में जताया विरोध

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर के वार्ड 12 स्थित मस्जिद के पास लगभग 800 मीटर क्षेत्र में बसे करीब 150 घरों में बीते कई महीनों से गंभीर जल संकट बना हुआ है। क्षेत्र में नर्मदा लाइन एवं बोर लाइन दोनों की सुविधा होने के बावजूद लोगों को बूंद-बूंद पानी के लिए तरसना पड़ रहा है। भीषण गर्मी के इस दौर में स्थिति और अधिक विकट हो गई है, जिससे वार्डवासियों में नगर परिषद के प्रति गहरा आक्रोश देखने को मिल रहा है।

स्थानीय नागरिक कैलाश रैकवार, सत्यम रैकवार सहित अन्य लोगों ने बताया कि पूरे मोहल्ले में जल आपूर्ति के लिए 3 से 4 वॉल्व लगाए जाने थे, लेकिन वर्तमान में केवल एक ही बाल वॉल्व से सप्लाई की जा रही है। इसके कारण मोहल्ले के अंतिम छोर पर स्थित घरों तक पानी पहुंच ही नहीं पाता है। इस व्यवस्था से अनेक परिवारों को 4 से 5 दिन तक पानी नहीं मिल पा रहा है, जिससे दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। निवासियों का आरोप है कि संबंधित विभागों के कर्मचारियों द्वारा समस्या के समाधान के बजाय अलग-अलग बहाने बनाए जाते हैं। कभी बोरिंग में पानी का स्तर घटने की बात कही जाती है, तो कभी मोटर खराब होने का हवाला दिया जाता है। वहीं नर्मदा जल सप्लाई भी अनियमित बनी हुई है, जिसके बारे में पूछने पर कभी ऊपर से सप्लाई बंद होने तो कभी टंकी में पानी न होने की बात कहकर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया जाता है। जल संकट से परेशान होकर बुधवार रात्रि लगभग 10 बजे वार्ड की महिलाओं और पुरुषों ने एकत्रित होकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। आक्रोशित महिलाओं ने नगर परिषद अध्यक्ष के निवास की ओर कूच किया और अपनी समस्या रखी। प्रदर्शन के दौरान चंदाबाई, सीमा अहिरवार, वर्षा रैकवार, लक्ष्मी रैकवार, बबीता रैकवार, क्रांति बाई, कल्पना रैकवार, कपसाबाई अहिरवार, विनीता रैकवार, सपना बाई, प्रेम बाई यादव, विजय रैकवार, आरती रैकवार, पूजा, रोशनी, सोमवती, दीपा बाई, , मीना बाई, राधा रानी, बिमला रैकवार, जानकी, दुर्गाबाई, अनीता अहिरवार, सविता बाई, गनेश रैकवार, शंकर अहिरवार सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर बम्होरी माल में चल रहे नव दिवसीय रूद्र चंडी महायज्ञ का पूरी भक्ति भाव के साथ समापन

आहुतियां वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करती हैं: मनीषी

तारादेही। दोपहर मेट्रो

तेंदूखेड़ा ब्लॉक की ग्राम बम्होरी माल में आयोजित नव दिवसीय रूद्र चंडी महायज्ञ अत्यंत श्रृद्धा और वैदिक विधि -विधान पूर्वक समापन हुआ गुरुवार को अनुष्ठान में पवित्र अग्नि का प्राकट्योत्सव किया गया जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे वैदिक मंत्रोच्चार और यज्ञाचार्य पंडित डॉ. धीरेंद्र मनीषी ने बताया मंत्रों के साथ दी जाने वाली आहुतियां वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करती है।

अग्नि प्राकट्य के साथ ही आज विधिवत हवन अनुष्ठान का समापन होगा जिसमें श्रद्धालु आहुतियां देकर अपने जीवन में और क्षेत्र में सुख, शांति और समृद्धि की कामना कर रहे हैं यज्ञाचार्य पंडित धीरेंद्र मनीषी ने हवन के वैदिक और वैज्ञानिक महत्व पर प्रभावशाली उद्बोधन दिया उनके ज्ञान पूर्ण विचारों ने श्रृद्धालुओं को न केवल

धर्म की गहराई से परिचित कराया बल्कि विज्ञान के दृष्टिकोण से भी हवन की उपयोगिता को समझाया मंत्रों के साथ दी जाने वाली आहुतियां वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है जिससे व्यक्ति,समाज और प्रकृति तीनों को लाभ मिलता है उन्होंने बताया कि हवन केवल पूजा -पाठ नहीं बल्कि यह एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है जो वायु शुद्धिकरण और स्वास्थ्य संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है इससे न केवल पर्यावरण शुद्ध होता है बल्कि मानसिक शांति , सकारात्मक सोच एवं प्रतिरोधक क्षमता में भी वृद्धि होती है पूरे यज्ञ स्थल पर भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला श्रद्धालुओं ने भजन - कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठान में बढ़ चढ़कर भाग लिया नव दिवसीय रूद्र चंडी महायज्ञ में प्रतिदिन आवाहित देवी - देवताओं का पूजन और फिर रूद्राभिषेक शाम को पंडित आशीष कृष्ण शास्त्री के मुखानंद से राम कथा और रात्रि में रामलीला का मंचन कार्यक्रम को और भी आनंदित कर रहा है आज शुक्रवार को भव्य भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा

पाटीदार के कैच पर विवाद, अंपायर से नाखुश दिखे कोहली

भुवनेश्वर के टी-20 क्रिकेट में 350 विकेट, गुजरात का दूसरा सबसे तेज रनचेज

अहमदाबाद, एजेंसी

गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2026 में गुरुवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 4 विकेट से हरा दिया। अहमदाबाद में खेले गए इस मैच में गुजरात ने 25 गेंद रहते 156 रन का टारगेट हासिल किया।

यह आईपीएल में गुजरात का दूसरा सबसे तेज रनचेज है। भुवनेश्वर कुमार टी20 में 350 विकेट पूरे करने वाले दूसरे भारतीय गेंदबाज बने। ऋष्क की पारी के दौरान रजत पाटीदार के कैच को लेकर विराट कोहली अंपयार से बहस करते दिखे।

बेंगलुरु के गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने पुरुष टी-20 क्रिकेट में अपने 350 विकेट पूरे कर लिए हैं। वे ऐसा करने वाले दूसरे भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। भुवी से पहले युजवेंद्र चहल यह कारनामा कर चुके हैं। चहल 391 विकेट के साथ टॉप पर हैं। भुवी ने बुमराह और अश्विन जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ते हुए यह उपलब्धि हासिल की।

गुजरात टाइटंस ने गुरुवार को आरसीबी के खिलाफ 25 गेंद रहते जीत दर्ज की। यह गुजरात के इतिहास का दूसरा सबसे तेज रनचेज है। सबसे ज्यादा गेंद रहते उनकी सबसे बड़ी जीत 2023 में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आई थी। तब टीम ने 37 गेंद रहते टारगेट हासिल किया था।

कोहली ने रबाडा के ओवर में लगातार 5 चौके मारे

विराट कोहली ने गुजरात के खिलाफ एक ओवर में 5 चौके मारे। उन्होंने कगिसो रबाडा पहली गेंद से ही प्रहार किया। उन्होंने पहली गेंद को मिडविकेट, दूसरी को मिड ऑफ, तीसरी को डिप प्वाइंट पर चौका जड़ा। चौथी गेंद को थर्ड मैन और पांचवी गेंद को कवर पर चार रन के लिए भेजा।

पाटीदार के कैच पर अंपायर के फैसले से नाराज दिखे कोहली

बेंगलुरु की पारी के 8वें ओवर में हाई-वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। अरशद खान के ओवर की चौथी गेंद पर रजत पाटीदार ने पुल शॉट खेला। गेंद डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग की ओर गई, जहां जेसन होल्डर ने डाइव लगाकर शानदार कैच पकड़ा। इस दौरान डग आउट पर बैठे विराट कोहली अंपायर के फैसले से नाराज दिखे। उनका मानना था कि कैच क्लीन नहीं है। हालांकि थर्ड अंपायर ने रिप्ले देखकर आउट दिया था।

वेंकटेश अय्यर को कोहनी पर गेंद लगी

18वें ओवर में अरशद खान की तीखी शॉर्ट पिच गेंद वेंकटेश अय्यर की कोहनी पर जा लगी। इसके बाद वह काफी दर्द में नजर आए। अय्यर पुल शॉट मारने की कोशिश में जल्दी बल्ला घुमा बैठे और गेंद सीधे उनकी कोहनी पर जा लगी। फिजियो को तुरंत मैदान पर आना पड़ा। हालांकि अय्यर ने बल्लेबाजी जारी रखी।

श्रीलंका विमेंस ने बांग्लादेश से टी20 सीरीज जीती

दूसरे टी-20 में 21 रन से हराया तीन मैच की सीरीज में 2-0 से आगे

सिलहट, एजेंसी

श्रीलंका महिला टीम ने सिलहट में खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले में बांग्लादेश को 21 रन से हराकर 2-0 से अजेय बढ़त बना ली।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका ने 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 154 रन बनाए, जवाब में बांग्लादेश निर्धारित ओवर में 5 विकेट पर रन ही बना सकी।

श्रीलंका की शुरुआत खराब रही। टीम ने 22 रन पर ही हसीनी परेरा का विकेट गंवा दिया। वह 11 गेंद पर 9 रन बनाकर आउट हुई। दूसरे विकेट के लिए कप्तान चमारी अटापट्टू और इमेशा दुलानी के बीच 44 रन की साझेदारी हुई। इमेशा ने 25 गेंद पर 27 रन, जबकि अटापट्टू ने 37 गेंद पर 42 रन बनाए।

श्रीलंका ने आखिरी 4 ओवर में 60 रन बनाए। इस दौरान हर्षिता समराविक्रमा ने 29 गेंदों पर 49 रन की पारी खेली। उन्होंने 4 चौके और 2 छक्के लगाए। नीलाक्षिका सिल्वा ने नाबाद 22 रन बनाए। बांग्लादेश की ओर से फारिहा, सुल्ताना, नाहिदा और रितु ने 1-1 विकेट लिए। बांग्लादेश के लिए दिलारा अख्तर और जुएरिया फर्दोस की ओपनिंग जोड़ी ने 46 रन जोड़े। पावरप्ले के बाद श्रीलंका के स्पिनर्स ने रन गति को धीमा रखा। 7 से 14 ओवर तक बांग्लादेश सिर्फ 39 रन ही जोड़ सकी और 4 विकेट गवां दिए। इसके बाद जरुरी रन रेट बढ़ता ही गया और बांग्लादेश मैच हार गई।

शर्मीन अख्तर ने 47 गेंद पर नाबाद 44 रन की धीमी पारी खेली और बांग्लादेश की टॉप स्कोरर रही। श्रीलंकाई स्पिनर कविशा दिल्हारी ने 4 ओवर में 15 रन देकर 2 विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। स्पिनर्स के 12 ओवर में सिर्फ 50 रन ही बने। पहले मैच में श्रीलंका ने 25 रन से जीत दर्ज की थी। 2 मई को सीरीज का तीसरा और आखिरी मैच खेला जाएगा।

मुरलीधरन बोले- आईपीएल में 'बिग बिजनेस' का खेल

मुंबई, एजेंसी

सनराइजर्स हैदराबाद के चीफ कोच मुथैया मुरलीधरन ने कहा कि गेंदबाजों को मान लेना चाहिए कि उन्हें मार पड़ेगी। उनके अनुसार खेल बल्लेबाजों के पक्ष में झुक चुका है, इसलिए गेंदबाजों को इस स्थिति के साथ खुद को ढालना होगा।

उन्होंने बुधवार को मुंबई में सनराइजर्स हैदराबाद और मुंबई इंडियंस के बीच खेले गए मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में आईपीएल में बल्ले और गेंद के संतुलन पर पूछे गए सवाल पर कहा कि यह टूर्नामेंट दर्शकों के मनोरंजन और स्पॉन्सरशिप के बिजनेस पर टिका है।

उन्होंने कहा,'अगर हम बॉलिंग फ्रेंडली विकेट देंगे, तो दर्शक इसे बोरिंग कहेंगे। लोग चौके-छक्के देखना चाहते हैं, इसीलिए 'इम्पैक्ट प्लेयर' जैसे नियम लाए गए हैं। अगर खेल से मनोरंजन खत्म हुआ तो स्पॉन्सर्स और लोगों की दिलचस्पी कम हो जाएगी। फिलहाल बल्लेबाजों का पलड़ा भारी रहेगा, गेंदबाजों को खुद को अपडेट करने में समय लगेगा।'

थॉमस कप: क्वार्टरफाइनल में चीनी ताइपे से भिड़ेगा भारत

आयुष की फॉर्म और सात्विक-चिराग की जोड़ी से बढ़ी उम्मीदें, भारत ने 2022 का खिताब जीता था

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की पुरुष बैडमिंटन टीम का सामना थॉमस कप 2026 के क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे से होगा। यह मुकाबला शुक्रवार को डेनमार्क के हॉर्सेंस में सुबह 10 बजे से खेला जाएगा। भारत ग्रुप- में दूसरे स्थान पर रहा। टीम ने कनाडा को 4-1 से और ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से हराया। इसके बाद उसे चीन से 2-3 से हार मिली।

दूसरी ओर चीनी ताइपे ग्रुप-ष्ट में पहले स्थान पर रही। पहला मैच उसने स्वीडन से 5-0 से जीता। इसके बाद दक्षिण कोरिया से 3-2 से हार मिली। फिर आखिरी मुकाबले में मेजबान डेनमार्क को 3-2 से हराया।

भारत के युवा आयुष शेट्टी ने अपने तीनों मैच जीते। एचएस प्रणय और किदांबी श्रीकांत तीसरे सिंगल्स की कमान संभाल रहे हैं। श्रीकांत ने चीन के खिलाफ कमबैक जीत दर्ज की। लक्ष्य सेन दो रोमांचक मुकाबले हार गए, लेकिन प्रदर्शन प्रभावशाली रहा। सात्विक साईराज रंकिरेड्डी और चिराग शेट्टी की डबल्स जोड़ी ने शुरुआती दो मैच जीते, जबकि चीन से हार मिली। दूसरी डबल्स जोड़ी हरिहरन एएमएस और एमआर अर्जुन ने भी दो मैच जीते हैं।

चीनी ताइपे की टीम भी काफी मजबूत है। विश्व रैंकिंग में छठे नंबर के चाउ तियन चेन, विश्व नंबर 8 और ऑल इंग्लैंड चैंपियन लिन चुन-यी, जबकि विश्व नंबर 21 ची यू जेन सिंगल्स में गहराई देते हैं।

डबल्स में चियू हिसयांग चिए और वांग ची-लिन (विश्व नंबर 14), दूसरे डबल्स ली झे-हुई और यांग पो-ह्सुआन (विश्व नंबर 16) की जोड़ी खतरनाक है। भारत की नजरें दूसरे खिताब पर है। टीम ने चार साल पहले 2022 में थॉमस कप जीतकर इतिहास रचा था। इससे पहले टीम 1952, 1955 और 1979 में कांस्य पदक जीत चुकी है।

चैंपियंसलीग सेमीफाइनल के पहले लेग में एटलेटिको-आर्सनल का मैच ड्रा

पेनल्टी से किए गोल, लंदन में होने वाले दूसरे लेग से फाइनलिस्ट का फैसला

यूईएफए चैंपियंस लीग के पहले सेमीफाइनल में बुधवार रात एटलेटिको मैड्रिड और आर्सनल का मैच 1-1 से बराबर रहा। मेट्रोपॉलिटानो स्टेडियम में खेले गए मैच में दोनों गोल पेनल्टी से आए। विक्टर ग्योकेरेस ने आर्सनल को बढ़त दिलाई। जूलियन अल्वारेज ने एटलेटिको के लिए बराबरी की। अब दोनों टीमों की नजरें अगले मंगलवार लंदन में होने वाले दूसरे लेग पर हैं। जीतने वाली टीम फाइनल में पहुंचेगी। मैच के 44वें मिनट में विक्टर ग्योकेरेस को बॉक्स में गिराया गया और आर्सनल को पेनल्टी मिली। ग्योकेरेस ने गोल कर टीम को 1-0 से आगे किया। 56वें मिनट में मार्कोस लोरेंटे के शॉट पर बेन व्हाइट के हैंडबॉल के बाद वीएआर (वीडियो असिस्टेंट रेफरी) रिव्यू से एटलेटिको को पेनल्टी मिली। जूलियन अल्वारेज ने गोल कर बराबरी की। 78वें मिनट में आर्सनल को एक और पेनल्टी मिली थी, लेकिन वीएआर रिव्यू के बाद फैसला बदल दिया गया।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

फिल्मों में फ्लॉप, अब इंस्टाग्राम पर एक्सक्लूसिव सब्सक्रिप्शन बेचकर लाखों कमा रही नेहा शर्मा हुईं ट्रोल

बी-टाउन की मशहूर अदाकारा नेहा शर्मा फिल्मों में भले ही कम एक्टिव रहती हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर अपनी बोल्डनेस के चलते छाई रहती हैं। इन दिनों एक्ट्रेस अपने इंस्टाग्रम पर सब्सक्रिप्शन बेचकर पैसा कमा रही हैं जिसके लिए उन्हें ट्रोल भी किया जा रहा है।

नेहा शर्मा पिछले कुछ सालों में फिल्मों में कम दिखी हैं। उन्होंने करियर में गिनी-चुनीं मूवीज कीं, जो खास बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रहीं। हालांकि, फिल्मों में फ्लॉप करियर होने के बावजूद आज एक्ट्रेस लाखों रुपये कमा रही हैं और वह भी इंस्टाग्राम से।

जी हां, नेहा शर्मा इंस्टाग्राम से लाखों रुपये कमा रही हैं। उनकी कमाई का सबसे बड़ा जरिया इस वक्त कोई ब्रांड एंडोर्समेंट नहीं, बल्कि एक्सक्लूसिव सब्सक्रिप्शन से है। दरअसल, नेहा शर्मा ने हाल ही में एक्सक्लूसिव सब्सक्रिप्शन शुरू किया है जिसकी कीमत 290 रुपये प्रति महीने है।

लाखों रुपये कमा रही हैं नेहा

नेहा शर्मा को अभी से ही इंस्टाग्राम पर एक्सक्लूसिव सब्सक्रिप्शन 10.1 हजार से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। अभी तक नेहा ने 564 एक्सक्लूसिव स्टोरीज और 23 रील्स शेयर किए हैं। नेहा शर्मा 290 रुपये महीने का सब्सक्रिप्शन बेच रही हैं। ऐसे में एक्ट्रेस एक्सक्लूसिव सब्सक्रिप्शन से ही महीना करीब 30 लाख रुपये कमा ले रही हैं। इसके चलते सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस बुरी तरह ट्रोल हो रही हैं।

मेट्रो बाजार

वाणिज्य तेल कंपनियों ने रोजाना 116 करोड़ का मुनाफा कमाया

मुंबई, एजेंसी

ईरान-अमेरिका जंग के बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ब्रेंट क्रूड गुरुवार को 126 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था, जो 4 साल का उच्चतम स्तर है। हालांकि, बाद में दाम 116 डॉलर तक ?आ गए। ऐसे में एजेंसियों के हवाले से बताया जा रहा है कि ईरान युद्ध की वजह से महंगे कच्चे तेल से देश की तेल कंपनियों को रोजाना 2,400 करोड़ का नुकसान हो रहा है।

पेट्रोल पर प्रति लीटर 14 रुपए और डीजल पर 18 रुपए का नुकसान झेलना पड़ रहा है। इससे तेल कंपनियां पेट्रो मूल्य बढ़ाने का दबाव बना रही हैं। जबकि हकीकत ये है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में कच्चे तेल के औसत दाम महज 71 डॉलर प्रति बैरल रहे, जो कोविड वर्ष 2020-21 के बाद सबसे कम हैं।

युद्ध 28 फरवरी 2026 से शुरू हुआ था और 27 फरवरी तक दाम 76 डॉलर प्रति बैरल थे। ऐसे में महज 2 महीने में ही क्रूड की कीमतें चढ़ी हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 2025-26 के शुरुआती 9 महीनों में देश की चार अग्रणी तेल कंपनियों ने कुल 1.37 लाख करोड़ रु. यानी हर रोज 116 करोड़ रुपए का लाभ कमाया।

'राजा शिवाजी' में सलमान का 'भौकाली' कैमियो, पहली झलक देख उड़ गए होश

आप भी सलमान खान की बड़े पर्दे पर वापसी का इंतजार कर रहे थे, तो बस अब यह इंतजार खत्म हो गया है। जी नहीं, अबतक उनकी अगली फिल्म 'मातृभूमि' रिलीज नहीं हुई है। उस फिल्म को आने में अभी वक्त है, क्योंकि खुद सलमान खान को भी रिलीज डेट को लेकर कुछ नहीं पता। साथ ही वो दिल राजू और वामशी पेडिपल्ली की फिल्म का काम चालू कर चुके हैं। इसी बीच 1 मई यानी आज रितेश देशमुख की 'राजा शिवाजी' रिलीज हो चुकी है। जो मराठी के अलावा दूसरी भाषाओं में भी आई है। फिल्म में सलमान खान का कैमियो रोल है, जिसे लेकर पहले से ही तगड़ा माहौल बना था। अब फाइनली उनका लुक फिल्म से सामने आ गया है। जो कि ङ्क (ट्विटर) पर वायरल हो रहा है। लोगों का कहना है कि- पूरी फिल्म पर एक कैमियो भारी पड़ गया। रितेश देशमुख की ऐतिहासिक फिल्म 'राजा शिवाजी' में सलमान खान जिवा महाला के रोल में हैं। एक्टर उस वीर योद्धा का किरदार निभा रहे हैं, जिन्होंने प्रतापगढ़ की लड़ाई में शिवाजी महाराज की जान बचाई थी। जब उन पर सय्यद बंडा ने हमला कर दिया था।

जीएसटी कलेक्शन का बना रिकॉर्ड, अप्रैल में बढ़कर 2.42 लाख करोड़ रुपए के हुआ पार

नई दिल्ली। अप्रैल में ग्रॉस जीएसटीकलेक्शन बढ़कर लगभग 2.43 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को अप्रैल 2026 का मासिक जीएसटीकलेक्शन जारी कर दिया है। प्रोविजनल आंकड़ों के अनुसार, देश का कुल सकल जीएसटीराजस्व अप्रैल 2026 में 2,42,702 करोड़ पहुंच गया। यह अप्रैल 2025 के 2,23,265 करोड़ की तुलना में 8.7 फीसदी अधिक है। शुद्ध जीएसटीराजस्व (रिफंड घटाकर) 2,10,909 करोड़ रहा, जो पिछले साल के 1,96,618 करोड़ से 7.3 फीसदी ज्यादा है।

अप्रैल के आंकड़े मार्च महीने के दौरान एकत्र किए गए तेल के हैं, जब ईरान-इजराइल-अमेरिका के बीच युद्ध ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को झटका दिया और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया। क्षेत्र में फिर से तनाव की आशंकाओं के कारण 30 अप्रैल को ब्रेंट क्रूड की कीमत 126 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई।

कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए आवेदन शुरू

नई दिल्ली। कैलाश मानसरोवर यात्रा से जुड़ी बड़ी खबर सामने आ रही है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि कैलाश मानसरोवर यात्रा इस साल जून से अगस्त तक चलेगी। इस दौरान दो मार्गों का उपयोग किया जा सकेगा। पहला मार्ग उत्तराखंड में 'लिपुलेख दर्रा' और दूसरा मार्ग सिक्किम में 'नाथू ला' के जरिए कैलाश मानसरोवर तक जाएगा। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। इसके अलावा यात्रा से जुड़ी हर जानकारी वेबसाइट पर मिल जाएगी। विदेश मंत्रालय के बयान के मुताबिक कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए 19 मई तक आवेदन किया जा सकता है। पंजीकरण की अंतिम तिथि 19 मई 2026 है।'कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जाने को लेकर विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, 'वेबसाइट kmy.gov.in पर आवेदन स्वीकार किए जा रहे हैं। यात्रियों का चयन निष्पक्ष, कंप्यूटर-जनित, यादृच्छिक और लिंग-संतुलित चयन प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा।

भोपाल में आंधी से कई इलाकों में पेड़ उखड़े, 4 मई तक ऐसा ही मौसम रहेगा

प्रदेश के 17 जिलों में आज बारिश-ओले का अलर्ट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में भीषण गर्मी के बीच ओले, बारिश और आंधी का दौर शुरू हो गया है। गुरुवार को भोपाल-ग्वालियर समेत 15 से ज्यादा जिलों में तेज हवा और गरज-चमक के साथ बारिश हुई। उमरिया-मुरैना में ओले भी गिरे। मौसम केंद्र ने शुक्रवार को ग्वालियर समेत 17 जिलों में अलर्ट जारी किया है। गुरुवार को सुबह से रात तक बारिश का दौर बना रहा।भोपाल और ग्वालियर के साथ सतना, श्योपुर, टीकमगढ़, रायसेन, बालाघाट, छतरपुर, मुरैना, सागर, पन्ना, मैहर, उमरिया, रीवा में भी कहीं तेज आंधी-बारिश तो कहीं ओलावृष्टि का दौर जारी रहा।भोपाल में तेज आंधी चलने से कोलार रोड समेत कई इलाकों में पेड़ भी उखड़ गए। देर रात तक प्रदेश में मौसम का मिजाज बदला रहा।

आज इन जिलों में बारिश के आसार

आज जिन जिलों में आंधी-बारिश का अनुमान है, उनमें ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला, सिवनी और बालाघाट शामिल हैं।दूसरी ओर, भोपाल, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, विदिशा, इंदौर धार, आलीराजपुर, बुरहानपुर, बड़वानी, खंडवा, खरगोन, झाबुआ, उज्जैन, नीमच, आगर-मालवा, मंदसौर, शाजापुर, देवास, रतलाम, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, रीवा, मऊगंज, सतना, मैहर, पन्ना, कटनी, दमोह, जबलपुर, सागर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा और पांढुर्णा में गर्मी का असर बना रहेगा। हालांकि, शाम को कुछ जिलों में तेज आंधी भी चल सकती है।

11 राज्यों में मौसम का कहर, आंधी-तूफान, बारिश और ओलावृष्टि

देशभर में मौसम एक बार फिर करवट लेता दिख रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने आज देश के कई हिस्सों में तेज आंधी, मूसलाधार बारिश और ओलावृष्टि को लेकर चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार यूपी, बिहार, दिल्ली, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, असम, नागालैंड और पश्चिम बंगाल सहित कुल 11 राज्यों में मौसम का असर देखने को मिलेगा। इन राज्यों में 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। राजधानी दिल्ली में भी मौसम विभाग ने भारी बारिश और ओले गिरने का अलर्ट जारी किया है। उत्तर प्रदेश में मौसम का मिला-जुला असर देखने को मिल रहा है। कई जिलों में अचानक हुई बारिश और ओलावृष्टि ने गर्मी से राहत दी है, लेकिन किसानों और आम लोगों के लिए मुश्किलें भी खड़ी कर दी हैं। बिहार में भी मौसम का असर काफी तेज रहने वाला है। गया, पटना, नालंदा, सुपौल, सहरसा, पूर्णिया, भागलपुर, कटिहार, अररिया और किशनगंज सहित कई जिलों में भारी बारिश और तूफान का अलर्ट जारी किया गया है।

1 करोड़ की लूट में दिल्ली पुलिस का हेड कॉन्स्टेबल गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली में एक करोड़ रुपये की लूट के मामले में दिल्ली पुलिस का हेड कॉन्स्टेबल गिरफ्तार किया गया है। बाड़ा हिंदू राव थाना पुलिस ने आरोपी हेड कॉन्स्टेबल को गिरफ्तार किया है। शुरुआती जांच में पता चला कि समय सिंह मीणा 2009 बैच का सिपाही है। इस पर पहले भी तीन मुकदमे दर्ज हैं। फिर भी दिल्ली पुलिस की बटालियन में तैनात था।

पुलिस के अनुसार, इस पर जो तीन मुकदमे हैं, वे सराय रोहिल्ला और चांदनी महल थाना इलाके के हैं। इसमें भी वह पकड़ा जा चुका है, उसके बाद भी दिल्ली पुलिस में तैनात था। इसने 31 मार्च को लूट की वारदात को अपने साथियों के साथ अंजाम दिया था, जिसके बाद इसके सभी साथी पहले ही पकड़े जा चुके हैं।

धर्म पर टिप्पणी से जुड़ा मामला,एफआईआर रद्द

भारती और शेखर सुमन को हाईकोर्ट से मिली बड़ी राहत

मुंबई, एजेंसी

बॉम्बे हाईकोर्ट ने कॉमेडियन भारती सिंह और अभिनेता शेखर सुमन के खिलाफ दर्ज एक एफआईआर को रद्द कर दिया। यह एफआईआर एक कॉमेडी शो के दौरान कथित तौर पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में दर्ज की गई थी। अदालत ने दोनों को राहत देते हुए कहा कि कॉमेडी परफॉर्मेंस को गंभीर भाषणों वाले पैमानों से नहीं मापा जाना चाहिए।

साल 2010 में शो 'कॉमेडी सर्कस का जादू' में कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणियां करने के मामले में एफआईआर दर्ज हुई थी। इसमें कॉमेडियन और अभिनेता के अलावा, सोनी और एक स्क्रिप्ट राइटर को भी आरोपी बनाया गया था। यह एफआईआर रजा अकादमी के एक प्रतिनिधि की शिकायत के आधार पर दर्ज की गई थी। शिकायतकर्ता ने दावा किया था कि सिंह ने शो में कुरान की एक आयत पर मजाक उड़ाया था, जो इस्लाम के लिए अपमानजनक था। शिकायतकर्ता के अनुसार, सिंह के बाद सुमन ने भी उस आयत को दोहराया था।जस्टिस अमित बोरकर की एकल पीठ ने एफआईआर को रद्द कर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों में कलाकार और जज लोगों को हंसाने के लिए होते हैं। वे किसी धार्मिक समूह के खिलाफ बयान देने वाले वक्ता की स्थिति में नहीं होते।

हज किराए में 10 हजार रुपये की बढ़ोतरी पर सरकार ने दी सफाई, कहा- पारदर्शिता के साथ लिया गया फैसला

नई दिल्ली। हज 2026 के लिए हवाई किराए में 10,000 रुपये की वृद्धि को लेकर विभिन्न मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर जताई जा रही चिंताओं के बीच, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने आधिकारिक स्पष्टीकरण जारी किया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह वृद्धि वैश्विक संकट और ईंधन की कीमतों में भारी उछाल के कारण लिया गया है।

सरकार के अनुसार, मध्य पूर्व में जारी संकट की वजह से 'एविएशन टर्बाइन फ्यूल' की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। इस वैश्विक आपातकाल का हवाला देते हुए एयरलाइंस ने प्रति तीर्थयात्री 300 से 400 अमेरिकी डॉलर की बढ़ोतरी की मांग की थी।

हज कमेटी और अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने तीर्थयात्रियों के हितों को ध्यान में रखते हुए एयरलाइंस के साथ बातचीत की। सरकार ने कहा कि गहन विचार-विमर्श के बाद इस वृद्धि को घटाकर केवल 100 अमेरिकी डॉलर (लगभग 8,400-10,000) प्रति तीर्थयात्री पर सीमित कर दिया गया है।

न्यूज विंडो

दिग्गज कंपनी केपीएमजी करेगी सैंकड़ों कर्मचारियों की छंटनी

वॉशिंगटन। वित्तीय सेवा, बिजनेस एडवाइजरी और कॉर्पोरेट गवर्नेंस की दिग्गज कंपनी केपीएमजी ने सैंकड़ों कर्मचारियों की छंटनी करने का फैसला किया है। कंपनी ने बताया कि एडवाइजरी डिवीजन में ये छंटनियां होंगी। वाल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी अपने एडवाइजरी विभाग से 400 कर्मचारियों को नौकरी से निकालेगी। यह कंपनी के कुल कार्यबल का 4 फीसदी है। इस छंटनी में मुख्य रूप से रेगुलेटरी रिस्क एडवाइजरी, कस्टमर ऑपरेशंस और फाइनेंशिय सर्विसेज में काम करने वाले कंसल्टेंट प्रभावित होंगे। छंटनी की पुष्टि करते हुए कंपनी ने एक बयान में कहा, 'ये कदम एक रणनीतिक पुनर्गठन पर केंद्रित है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हमारे कर्मचारियों के कौशल और क्षमताएं भविष्य की मांग के अनुरूप हों। हम भविष्य में अपने कर्मचारियों के कौशल विकास में मदद करना जारी रखेंगे। साथ ही अपने कार्यबल के आकार, स्वरूप और कौशल का मूल्यांकन करेंगे।'

पुलिस चौकी में घुसकर उपद्रवियों ने सिपाही और चौकी इंचार्ज को पीटा

मीरजापुर। शहर कोतवाली के अस्पताल रोड पर रात लगभग 11 बजे ई-रिक्शा से बाइक के टकराने पर विवाद हो गया। मारपीट होने पर मौके पर पहुंचे अस्पताल पुलिस चौकी के सिपाही कमलेश पासवान दोनों पक्षों को लेकर चौकी पर पहुंचे। इस दौरान बाइक सवार ने फोन करके अपने पक्ष के लगभग 50 लोगों को बुला लिया। लोगों के पहुंचते ही चौकी पर हंगामा शुरू हो गया।आरोप है कि शांत कराने पर लोगों सिपाही की पिटाई कर दी। वर्दी फाड़ते हुए सिर भी फोड़ दिया। मौके पर पहुंचे चौकी इंचार्ज मनोज राय से भी हाथापाई करते हुए मारपीट किया। मामला बढ़ने पर सीओ नगर विवेक जावला पहुंचे और पांच लोगों को हिरासत में लेकर शहर कोतवाली चले गए।सीओ ने बताया कि ई-रिक्शा चालक से टक्कर लगने पर कुछ लोग उसकी पिटाई करने लगे। बीच-बचाव करने पर लोगों ने सिपाही कमलेश पासवान का भी मारपीट कर सिर फोड़ दिया।

असली कोर्ट, नकली आदेश... मिजोरम में रिहा हुए 16 अपराधी, जेल प्रशासन में हड़कंप

लुंगलेई, एजेंसी

मिजोरम के लुंगलेई स्थित जिला जेल से फर्जी कागज का इस्तेमाल कर 16 दोषियों के भागने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, पिछले 4 महीनों के दौरान इन 16 दोषियों ने कोर्ट के जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करके धोखाधड़ी से रिहा हो गए।

मीडिया रिपोर्ट की माने तो यह धोखाधड़ी जनवरी में शुरू हुई थी और पिछले हफ्ते तक किसी को इसका पता तक नहीं था। वहीं, जब कोर्ट अधिकारियों को कुछ रिहाइयों को मंजूरी देने वाले रिकॉर्ड नहीं मिले, तब इसका खुलासा हो सका। इसके बाद 25 अप्रैल को एक शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने बताया कि

13 दोषियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, और दो अभी भी फरार हैं।

मिलीभगत से चल रहा था खेल

वहीं, एक दोषी की रिहाई के बाद मौत हो गई। इस मामले में जेल के अंदर और बाहर के लोगों की मिलीभगत से एक बड़ी साजिश होने का संदेह है। जेल अधिकारियों ने बताया कि, नकली आदेशों पर जाली मुहरें लगी थी और वे कोर्ट के निर्देशों से काफी मिलते-जुलते थे, जिससे उनकी पहचान करना मुश्किल हो गया था।

शुरुआती जांच के नतीजों से पता चलता है कि 22 वर्षीय कैदी जेरेमिया लालथांगतुरा इस साजिश का मुख्य सरगना हो सकता है; माना जा रहा है कि उसने जेल के अंदर से ही बाहर के लोगों की मदद से इस पूरे ऑपरेशन को अंजाम दिया। फिलहाल, उससे पूछताछ की जा रही है।

ट्रंप का बड़ा एलान, स्कॉच व्हिस्की पर टैरिफ हटाने की घोषणा

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिटेन के राजा चार्ल्स तृतीय और रानी कैमिला के अमेरिका के राजकीय दौरे के सम्मान में बड़ा एलान किया है। ट्रंप ने ब्रिटिश स्कॉच और व्हिस्की पर लगे टैरिफ और व्यापार प्रतिबंध को हटाने का एलान किया है। ट्रुथ सोशल पर साझा एक पोस्ट में उन्होंने कहा, 'यूनाइटेड किंगडम के राजा और रानी के सम्मान में, जो अभी अभी व्हाइट हाउस से रवाना हुए हैं और जल्द ही अपने शानदार देश लौट रहे हैं, मैं व्हिस्की पर लगे टैरिफ और प्रतिबंधों को हटा रहा हूं, जो स्कॉटलैंड और केंटकी राष्ट्रमंडल के बीच व्हिस्की और बॉर्बन की व्यापार क्षमता से संबंधित हैं। ये स्कॉटलैंड और केंटकी के दो बहुत महत्वपूर्ण उद्योग हैं।'

ट्रंप ने लिखा, 'लोग लंबे समय से इसकी मांग कर रहे थे। राजा और रानी ने मुझसे वह काम करवा दिया, जो कोई और नहीं कर सका और वह भी बिना पूछे। अमेरिका में उन दोनों का होना, मेरे लिए एक अद्भुत सम्मान की बात है।' ट्रंप ने अपने इस कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर भी कर दिए हैं। किंग चार्ल्स तृतीय और रानी कैमिला ने बुधवार को 9/11 स्मारक का दौरा कर आतंकी हमलों के पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

मेट्रो एंकर

मेगा अल नीनो की आहट: तापमान में असामान्य वृद्धि के संकेतों ने वैज्ञानिकों का ध्यान खींचा

भारत से दक्षिण-पूर्व एशिया तक बदला पैटर्न! गर्मी, सूखा व अतिवृष्टि का खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रशांत महासागर के भूमध्यरेखीय क्षेत्र में समुद्र की सतह के तापमान में असामान्य वृद्धि के संकेतों ने दुनिया भर के मौसम वैज्ञानिकों का ध्यान फिर से मेगा अल नीनो की ओर खींचा है। विश्व मौसम संगठन (डब्ल्यूएमओ), अमेरिकी राष्ट्रीय महासागरीय और वायुमंडलीय प्रशासन (एनओएए) और भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार यदि अल नीनो की स्थिति और अधिक मजबूत होती है तो इसका असर भारत के मानसून, दक्षिण-पूर्व एशिया की वर्षा, ऑस्ट्रेलिया के सूखे, अफ्रीका की खाद्य सुरक्षा और अमेरिका-यूरोप के तापमान पैटर्न तक महसूस किया जा सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि सामान्य अल नीनो और 'मेगा अल नीनो' यानी अत्यंत शक्तिशाली अल नीनो में अंतर उसकी तीव्रता और वैश्विक प्रभाव के स्तर का होता है, और इतिहास बताता है कि ऐसे वर्षों में मौसमीय असंतुलन व्यापक आर्थिक और मानवीय संकट में बदल सकता है।

लू की अवधि बढ़ी

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार भारत में इस समय अप्रैल के अंत से ही कई राज्यों में तापमान 44 से 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है और लू की अवधि सामान्य से लंबी देखी जा रही है। हर हीटवेव का सीधा कारण केवल अल नीनो नहीं होता, लेकिन मजबूत अल नीनो की पृष्ठभूमि में सतही तापमान और अधिक बढ़ सकता है। आईएमडी के अनुसार उत्तर-पश्चिम, मध्य और प्रायद्वीपीय भारत में लंबे और अधिक तीव्र गर्मी के दौर की संभावना ऐसे वर्षों में बढ़ जाती है।दक्षिण-पूर्व एशिया में वर्षा संकट की आशंका: इंडोनेशिया, फिलीपींस, थाईलैंड, वियतनाम और मलेशिया जैसे देशों में अल नीनो आमतौर पर वर्षा में कमी और लंबे शुष्क दौर का कारण बनता है।

भारत पर क्या हो सकता है असर

भारत के लिए सबसे बड़ा सवाल दक्षिण-पश्चिम मानसून का है, क्योंकि देश की कृषि, जल भंडारण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था काफी हद तक मानसूनी वर्षा पर निर्भर है। आईएमडी और भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) के वैज्ञानिकों के अनुसार मजबूत अल नीनो अक्सर मानसून को कमजोर कर सकता है, हालांकि हर बार इसका सीधा और समान असर नहीं होता।

ठुकमजोर मानसून की स्थिति में धान, दाल, गन्ना और तिलहन जैसी फसलों पर दबाव बढ़ सकता है। जलाशयों का स्तर गिर सकता है और बिजली उत्पादन भी प्रभावित हो सकता है। साथ ही, उत्तर और मध्य भारत में लू की अवधि लंबी हो सकती है और शहरी क्षेत्रों में तापमान रिकॉर्ड स्तर तक जा सकता है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-7963564